सच्ची बात, पाठकों के साथ | नागपुर, बुधवार 10 दिसंबर 2025 | @ www.rashtrabaan.in | पृष्ठ :8 | वर्ष :2 | अंक : 358 | मूल्य:₹ 5

राष्ट्रबाण

मध्य भारत का लोकप्रिय दैनिक

।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

# विपक्ष का हमला, जोरदार आंदोलन

## फसणवीस सरकार कर्जमाफी दोः विपक्ष की मांग

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** महाराष्ट्र विधानसभा के शीतसत्र के दूसरे दिन, विपक्ष ने किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार पर तीखा हमला किया और विधान भवन परिसर की सीढ़ियों पर जोरदार आंदोलन किया. विपक्षी दलों ने किसान कर्जमाफी और कपास तथा सोयाबीन के लिए उचित मूल्य देने की मांग करते हुए नारेबाजी की. इस दौरान विपक्ष ने सत्तारूढ़ दल को फडणवीस सरकार की जगह फसणवीस सरकार कहकर तंज कसा. नेताओं ने हाथों में बैनर ले रखे थे, जिन पर लिखा था कि सोयाबीन को भाव नहीं मिल रहा, सत्ता के लिए महायुति भागदौड़ कर रही है, और फडणवीस का पैकेज सिर्फ छलावा है क्योंकि अर्थमंत्री की जेब खाली है. विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक विजय वडेट्टीवार, आदित्य ठाकरे, शशिकांत शिंदे समेत कई प्रमुख नेता उपस्थित थे.

### महावितरण द्वारा 11,750 करोड़ की अतिरिक्त वसूली की मांग

महाराष्ट्र में बिजली दरों में वृद्धि का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है, जिससे महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग और महावितरण के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. विपक्षी दलों का कहना है कि मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा 25 जून 2025 को बिजली नियामक आयोग के एकतरफा दर वृद्धि आदेश को रद्द करने के बाद, राज्य सरकार, नियामक संस्था और बिजली वितरण प्रणाली को बड़ी फजीहत झेलनी पड़ी है. इसी बीच, महावितरण ने उपभोक्ताओं से 11,750 करोड़ की अतिरिक्त राशि वसूलने की एक नई मांग आयोग के समक्ष दायर की है, जिससे सामान्य नागरिकों में चिंता की लहर फैल गई है. कांग्रेस नेता और पूर्व ऊर्जा मंत्री डॉ. नितिन राउत ने विधानसभा में औचित्य का मुद्दा उठाकर सदन का ध्यान इस विषय की ओर खींचा.

### बिजली नियामक आयोग के निर्णय पर संदेह

मार्च 2025 में बिजली की दरें कम करने का आदेश जारी करने के कुछ ही दिनों बाद, आयोग ने एक साधारण आवेदन पर उस आदेश पर रोक लगा दी. इसके बाद, कोई सार्वजनिक सुनवाई किए बिना, आयोग ने 25 जून को दर वृद्धि लागू कर दी. आरोप है कि यह अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया का खुला उल्लंघन है. इस आदेश में, आयोग ने अपनी 'तकनीकी त्रुटियों' को स्वीकार करते हुए.

## सूर्यकांत मोरे के खिलाफ हक्कभंग प्रस्ताव

### विप में जामखेड के NCP नेता , सदस्य एकमत से समर्थन में

महाराष्ट्र विधानपरिषद में जामखेड (अहिल्यानगर) के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता सूर्यकांत मोरे के खिलाफ हक्कभंग (विशेषाधिकार भंग) प्रस्ताव जोरदार चर्चा के केंद्र में रहा. यह प्रस्ताव विधानपरिषद सदस्य प्रवीण दरेकर और श्रीकांत भारतीय ने सभागृह में प्रस्तुत किया, जिसे सभी सदस्यों का सर्वसम्मत समर्थन मिला.

## अनुसूचित जाति के उपवर्गीय आरक्षण की मांग

महाराष्ट्र में अनुसूचित जाति (एससी) के लिए उप-वर्गीकरण आधारित आरक्षण को तुरंत घोषित किया जाना चाहिए. विधान परिषद सदस्य अमित गोरखे ने मंगलवार को विधान भवन परिसर में यह प्रमुख मांग उठाई.

### व्यापक SC वर्ग में असमानता

नागपुर. गोरखे ने अपनी बात रखते हुए स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र में ऊपरी तौर पर अनुसूचित जाति वर्ग एकसमान प्रतीत होता है, लेकिन वास्तव में यह 59 भिन्न-भिन्न उप-जातियों से मिलकर बना एक विशाल और बहुस्तरीय समाज है. दशकों के आंकड़ों से यह बात सामने आई है कि केवल कुछ चुनिंदा उप-जातियों को ही शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण का अपेक्षाकृत अधिक लाभ मिला है,

### प्राथमिकता पिछड़े तबकों को

उन्होंने तर्क दिया कि 'अ, ब, क, ड' आधार पर उप-वर्गीकरण का उद्देश्य पूरी तरह स्पष्ट है : सबसे अधिक पात्र और पिछड़े तबकों को आरक्षण के लाभ में प्राथमिकता मिलनी चाहिए. इस संबंध में सरकार द्वारा नियुक्त बदर समिति ने महत्वपूर्ण कार्य किया है, लेकिन अब यह आवश्यक है कि समिति विलंब किए बिना समाज की अपेक्षा के अनुरूप अपनी रिपोर्ट तत्काल सरकार को सौंपे.

### त्वरित निर्णय की अनिवार्यता

विधायक गोरखे ने समाज के प्रतिनिधि के तौर पर यह दृढ़ता से कहा कि समिति को दिया गया समय अब पर्याप्त हो चुका है, और अब निर्णय लेने की दिशा में अगला कदम उठाना अनिवार्य हो गया है. उन्होंने चिंता व्यक्त की कि हजारों छात्र, नौकरी की तलाश में भटकते युवा, किसान परिवार और सामान्य वर्ग के घटक आज भी उप-वर्गीकरण लागू न होने के कारण आरक्षण के लाभ से पिछड़ रहे हैं.

## जलसंधारण परियोजनाओं में बड़े घोटाले का आरोप

विधानपरिषद में आज जल-संधारण विभाग से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं का मुद्दा जोरदार तरीके से गूंजा. सदस्य अनिल परब ने राज्य की कई जलसंधारण परियोजनाओं में बड़े स्तर पर घोटाला किए जाने का आरोप लगाते हुए विस्तृत जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की. अनिल परब ने बताया कि मौजे सारंगवाडी (ता. चिखली, जि. बुलढाणा) के संग्राहक तालाब प्रकल्प में सैकड़ों करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है. वहीं वैभववाडी (जि. सिंधुदुर्ग) में स्थित ऐनारी लघुपाट-बंधारे तालाब परियोजना की 2009–2010 में स्वीकृत 10 करोड़ रुपये की निविदा का खर्च मनमाने तरीके से बढ़ाकर 80 करोड़ रुपये तक कर दिया गया.

### उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने SIT जांच की घोषणा की

### मंत्री के उत्तर से विपक्ष असंतुष्ट

राठोड़ के जवाब से असंतुष्ट विपक्षी सदस्यों ने सभागृह में जोरदार हंगामा किया. सदस्यों ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल बर्खास्त करने और एक विशेष जांच दल (SIT) गठित करने की मांग पर जोर दिया.

### हंगामा बढ़ने पर शिंदे एक्शन में, 2 महा में रिपोर्ट

स्थिति बिगड़ते देख उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हस्तक्षेप किया. उन्होंने घोषणा की कि इन सभी कार्यों की SIT के माध्यम से जांच कराई जाएगी. साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि SIT की जांच रिपोर्ट आगामी दो महीनों में सरकार के समक्ष प्रस्तुत कर दी जाएगी. इस घोषणा के बाद ही सभागृह में स्थिति सामान्य हुई.

## फास्ट ट्रॅक

### 'पीएम बिना CJI के EC क्यों चुनना चाहते हैं?': राहुल

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.** संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान मंगलवार को चुनाव सुधारों पर बोलते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र पर निशाना साधा. उन्होंने मोदी सरकार से सवाल किया कि वह चुनाव आयोग के प्रमुख और अन्य चुनाव आयुक्तों के चयन के लिए जिम्मेदार पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटाने पर इतनी आमादा क्यों है. 'सीजेआई को चयन समिति से क्यों हटाया गया? क्या हमें सीजेआई पर विश्वास नहीं है?' कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर वह चुनाव आयुक्तों का चयन करने वाली समिति का हिस्सा हैं, लेकिन इसमें सरकार के सदस्यों की संख्या अधिक होने के चलते उनकी आवाज कमजोर पड़ जाती है. उन्होंने कहा, 'चुनाव आयुक्तों का चयन करने वाली समिति में मेरी आवाज ही नहीं है, क्योंकि संख्याबल कम है, एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी और दूसरी तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं.' राहुल गांधी ने पूछा, 'प्रधा-नमंत्री मुख्य चुनाव आयुक्त चुनने में इतने उत्सुक क्यों हैं?'

## कोलकाता में एक साथ लाखों लोगों ने किया गीता पाठ

राष्ट्रबाण

**कोलकाता.** कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में रविवार को लाखों की संख्या में जुटे लोगों ने सामूहिक तौर पर गीता पाठ किया. कार्यक्रम में साध्वी ऋतंभरा, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी, कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर बाबा), उपस्थित रहे. ब्रिगेड परेड ग्राउंड में '5 लाख कंठे गीता पाठ' का आयोजन सनातन संस्कृति संसद द्वारा किया गया था, जिसमें विभिन्न मठों और धार्मिक संस्थाओं के साधु-संत शामिल थे. इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉक्टर सीवी आनंद बोस भी उपस्थित रहे. आयोजकों का कहना है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बंगाल की आध्यात्मिक परंपरा को उजागर करना और सामाजिक सद्भाव का संदेश देना है. राज्यपाल ने कहा कि राज्य धार्मिक अहंकार खत्म करने को तैयार है. गीता पाठ के मंच से राज्यपाल बोस ने भ्रष्टाचार खत्म करने की भी बात कही.

धीरेंद्र शास्त्री जी ने कहा कि आज पश्चिम बंगाल की पावन धरती कोलकाता में पांच लाख लोगों ने एक साथ गीता का पाठ किया. आस्था का उत्साह और सैलाब देखकर ऐसा लगा जैसे कोलकाता में महाकुम्भ मेला लगा हो. हम पश्चिम बंगाल और कोलकाता की जनता, भारत की जनता के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं. सनातन एकता इस देश और विश्व शांति का सबसे बड़ा साधन है. भारत में हम तनातनी नहीं, सनातनी चाहते हैं.उन्होंने कहा कि गीता एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसके माध्यम से पूरे विश्व में सामाजिक समरसता और एकता का भाव जगाया जा सकता है. गीता का ज्ञान महान है, गीता भारत की शान है और गीता ही भारत का स्वाभिमान है. साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि अब समय आ गया है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक हिन्दू राष्ट्र की नींव रखी जाए. स्वामी ज्ञानानंद ने पश्चिम बंगाल के हिन्दू समाज से एक होकर यहां की नकारात्मक शक्तियों के खिलाफ युद्ध का आह्वान किया और कहा कि समाज को अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए खड़ा होना ही होगा. यह राष्ट्र राम का है. यह हमेशा राम का ही रहेगा.

## अब पूरी तरह से 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' फेज में है देश

### PM मोदी ने NDA संसदीय दल की बैठक में सांसदों को दिया नया टास्क

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज NDA संसदीय दलों की बैठक हुई. इस बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि देश अब पूरी तरह से 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' फेज में है. जहां सुधार तेजी से और साफ इरादे के साथ हो रहे हैं. बैठक के दौरान पीएम मोदी ने एनडीए के सांसदों को जनता के बीच जाने को कहा है. साथ ही अगला टार्गेट बंगाल चुनाव को बताया है. **गैर जरूरी कागजात के कल्चर को करना है खत्मः** पीएम मोदी ने यह भी कहा कि वह 30-40 पेज के फॉर्म और गैर जरूरी कागजात के कल्चर को खत्म करना चाहते हैं.

### सरकार के सुधार पूरी तरह से नागरिक केंद्रित

पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि सरकार के सुधार पूरी तरह से नागरिक केंद्रित हैं, न कि सिर्फ आर्थिक या रेवेन्यू पर फोकस हैं. पीएम मोदी ने एनडीए सांसदों से कहा कि लक्ष्य लोगों की रोजमर्रा की रुकावटों को दूर करना है ताकि वे अपनी पूरी क्षमता से आगे बढ़ सकें.

### रिफॉर्म एक्सप्रेस हर घर तक पहुंच सके

पीएम ने एनडीए सांसदों से आम लोगों की असली समस्याओं को सक्रिय रूप से शेयर करने का आग्रह किया है ताकि रिफॉर्म एक्सप्रेस हर घर तक पहुंच सके और रोजमर्रा की मुश्किलों को दूर कर सकें.

### विधानसभा में 'राष्ट्रबाण'

नागपुर. मंगलवार को विधानसभा में पूर्व मंत्री, भाजपा विधायक सुधीर मुंनगटीवार ने दैनिक राष्ट्रबाण की प्रति का अवलोकन किया और पत्र की भूरी-भूरी प्रशंसा की. इसी तरह शिवसेना ठाकरे गुट के विधायक आदित्य ठाकरे को भी आज दैनिक राष्ट्रबाण की प्रति दी गई

## अनिल अंबानी के बेटे के खिलाफ FIR

### सीबीआई का बड़ा एक्शन, 228 करोड़ रुपये का है मामला

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.** अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है. लंबे समय से उनके नेतृत्व वाला रिलायंस ग्रुप प्रवर्तन निदेशालय (ED) के राडार पर है. छापेमारी, संपत्ति कुर्क होने की कार्रवाई लगातार हो रही है. वहीं अब सीबीआई ने उनके बेटे जय अनमोल अंबानी समेत अन्य के खिलाफ एक क्रिमिनल केस फाइल किया है. केंद्रीय एजेंसी ने एक लिखित शिकायत को लेकर जांच करने के बाद यह केस फाइल किया है.

### पहली बार अनिल अंबानी के बेटे पर केस

CBI ने अनिल अंबानी के जय अनमोल अनिल अंबानी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस में मामला दर्ज किया है. उनके अलावा रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पूर्व सीईओ रवींद्र सुधालकर और उस समय के होल टाइम डायरेक्टर के खिलाफ यह क्रिमिनल केस फाइल किया है. ऐसा पहली बार है जबकि अनिल अंबानी के बेटे पर मामला दर्ज किया गया है. यह पूरी कार्रवाई कथित 228.06 करोड़ रुपये के बैंकिंग फ्रॉड केस में की गई है. दरअसल, सीबीआई को एक लिखित शिकायत दी गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि जय अनमोल अनिल अंबानी, रवींद्र सुधालकर और अन्य अज्ञात लोगों, अज्ञात सरकारी कर्मचारियों ने धोखाधड़ी और क्रिमिनल साजिश के तहत पैसों का हेरफेर किया है.

## आस्था

### हिंदू समाज के अधीन किया जाए : मिलिंद परांडे

# मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करें

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के मंदिर अर्चक-पुरोहित आयाम द्वारा 6 और 7 दिसंबर को आयोजित प्रांतस्तरीय कार्यकर्ता विकास प्रशिक्षण शिविर में विहिप के संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने मंदिर मुक्ति विषय पर मार्गदर्शन दिया. उन्होंने कहा कि मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर हिंदू समाज के अधीन करना आज की आवश्यकता है. केवल हिंदुओं के मंदिर ही सरकार के नियंत्रण में क्यों हैं, यह अत्यंत चिंताजनक विषय है. मंदिरों में आने वाला दान-धन मंदिर और भक्तों की सेवा में ही उपयोग होना चाहिए. इसके लिए कानून में परिवर्तन तथा जनजागरण दोनों ही आवश्यक हैं. कार्यकर्ताओं को इसके लिए तैयार रहना होगा.

परांडे ने कहा कि मंदिर और अर्चक-पुरोहित ये दोनों संस्थाएँ हिंदू धर्म, संस्कृति और परंपरा को सुरक्षित रखने वाली महत्वपूर्ण आधारशिलाएँ हैं. इन्हें समर्थ, सक्रिय और प्रभावी बनाना मंदिर आयाम का मुख्य कार्य है, जिसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को स्वयं को सक्षम बनाना होगा.

### उद्घाटन सत्र

6 दिसंबर के उद्घाटन सत्र में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री विष्णुजी देशमुख ने विहिप के विविध कार्यों की जानकारी दी. अखिल भारतीय मंदिर आयाम संपर्क प्रमुख अरुणजी नेटके ने कहा कि मंदिरों के माध्यम से सत्संग, सेवा, शिक्षा, स्वच्छता, संयुक्त परिवार भावना, स्वास्थ्य, व्यायामशाला, वाचनालय आदि समाजोपयोगी कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए, ताकि मंदिर केवल पूजा का केंद्र न रहकर समाज को संगठित करने का माध्यम बने. केंद्र संपर्क प्रमुख अनिल सांबरे ने कार्यकर्ता के गुण, कार्य प्रणाली, सावधानियाँ और संगठन निर्माण पर विस्तृत मार्गदर्शन किया. उन्होंने कहा कि सही योजना, संपर्क और सामूहिक प्रयास किसी भी कार्य की सफलता का आधार होते हैं.

### दूसरे दिन के सत्र

7 दिसंबर को केंद्रीय प्रमुख अरुण नेटके ने मंदिर आयाम के पंच प्रकल्प, पंच परिवर्तन और पंचशाला विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन किया. समापन सत्र में क्षेत्र सहमंत्री अनंत पांडे ने कहा कि मंदिर देश की ऊर्जा-शक्ति हैं. भक्तिभाव को सामर्थ्य में बदलने के लिए समाज में परिवर्तन की श्रृंखला बनाना आवश्यक है और यह श्रृंखला कार्यकर्ताओं के माध्यम से ही आगे बढ़ेगी.

### सहभागिता और आयोजन

गणेश मंदिर टेकड़ी गणपती संस्थान, नागपुर का इस कार्यशाला में विशेष योगदान रहा. संस्थान के सचिव दिलीप शहाकार का सम्मान किया गया .प्रांत के नए मंदिर आयाम सहप्रमुख के रूप में उद्धव चौधरी की घोषणा की गई. इस कार्यक्रम में विदर्भ प्रांत प्रमुख वासुदेव नागपूरे, एडवोकेट रमण सेनाड, प्रांत मंत्री प्रशांत तितरे, प्रांत सहमंत्री गणेश काळकर, मंदिर आयाम पालक सौ. ममताताई चिंचवडकर, विदर्भ महिला प्रमुख सौ. चैताली खटी आदि पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे.

### महिलाओं की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही

व्यवस्थाओं का दायित्व महानगर मंदिर आयाम प्रमुख विजय चौबे और उनकी टीम ने संभाला. 2 दिवसीय इस प्रशिक्षण वर्ग में प्रांत और महानगर से कुल 110 कार्यकर्ता उपस्थित हुए थे.

महाराष्ट्र के अग्रणी

दैनिक राष्ट्रबाण

भंडारा, गोंदिया, चंद्रपुर, गडचिरोली, अमरावती, यवतमाल, वर्धा और नागपुर के ग्रामीण व शहरी इलाकों के साथ-साथ तहसील में भी एजेंट, कॉरेस्पोंडेंट नियुक्त किए जा रहे हैं. इसके लिए, प्रत्यक्ष संपर्क करें

| | |
|---|---|
| नागपुर और ग्रामीण | (तहसील) |
| भिवापुर | (शहर और तहसील) |
| हिंगना | (शहर और तहसील) |
| कलमेश्वर | (शहर और तहसील) |
| पारशिवनी | (शहर और तहसील) |
| कामठी | (शहर और तहसील) |
| रामटेक | (शहर और तहसील) |
| काटोल | (शहर और तहसील) |
| सावनेर | (शहर और तहसील) |
| कुही | (शहर और तहसील) |
| नरखेड | (शहर और तहसील) |
| उमरेड | (शहर और तहसील) |

दूसरी मंजिल, पाध्ये हाउस, एमजी हाउस के सामने, सिविल लाइंस, नागपुर

मो. 9561442605 , 9881555116

संपादकीय

# एसआईआर पर अनावश्यक आपत्ति

भारत का लोकतंत्र विश्व की सबसे विशाल जनइच्छा का प्रतिबिंब है. यहां चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, अपितु एक पवित्र राष्ट्रीय संस्कार है. एक-एक मत स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था की धड़कन है. इसलिए मतदाता सूची की शुद्धता केवल भारतीय निर्वाचन आयोग का प्रशासनिक काम नहीं, बल्कि भारत के संवैधानिक आत्मा की सुरक्षा का भी प्रश्न है. इसी मूल भावना के साथ चुनाव आयोग ने इस वर्ष एक जुलाई से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का व्यापक अभियान आरंभ किया, ताकि कोई अपात्र व्यक्ति इस सूची में शामिल न हो और कोई पात्र नागरिक छूट न जाए. बिहार के बाद 12 और राज्यों में यह प्रक्रिया जारी है. इससे पहले देश में वर्ष 2002-04 के बीच एसआइआर हुआ था. यह विडंबना है कि कुछ राजनीतिक दल और उनके शीर्ष नेता संविधान की प्रतियां लहराकर स्वयं को उसका 'रक्षक' साबित करने पर तुले रहते हैं, वही संसद के भीतर और बाहर इस वैधानिक चुनाव सुधार प्रक्रिया पर अनर्गल सवाल भी खड़े कर रहे हैं.

> लोकसभा चुनाव में मामूली सफलता के बाद से ही कांग्रेस को एक के बाद एक राज्यों में मुंह की खानी पड़ी है. कांग्रेस का यह क्षरण बिहार चुनाव तक कायम रहा, मगर वह आत्ममंथन के बजाय आरोप-प्रत्यारोप में लगी है. स्वतंत्रता के बाद देश पर कांग्रेस का 50 वर्षों तक प्रत्यक्ष-परोक्ष शासन रहा. इस दौरान कांग्रेस तमिलनाडु (1967), बंगाल (1977), उत्तर प्रदेश (1989), गुजरात (1990), महाराष्ट्र (1995), ओडिशा (2000), गोवा (2012) और दिल्ली (2013) में ही एक बार सत्ता से बाहर हुई, मगर अपने दम पर अब तक सत्ता में नहीं लौट सकी. दिल्ली में 2015, 2020 और 2025 के चुनावों में वह खाता तक नहीं खोल पाई.

देशव्यापी एसआइआर के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में भी मामले दायर हो गए हैं. विपक्षी दलों की ओर से इन मामलों की पैरवी कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी जैसे दिग्गज कर रहे हैं. उनकी दलील है कि एसआइआर एक गैर-जरूरी प्रक्रिया है और चुनाव आयोग के पास इसे कराने का अधिकार नहीं है. उनकी इस दलील को अदालत ने खारिज कर दिया. इतना ही नहीं, न्यायालय ने 26 नवंबर की सुनवाई में यह भी रेखांकित किया कि बिहार में एस-आइआर के दौरान जिन अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए, उनमें से किसी एक ने भी कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई. अब चुनाव आयोग एसआइआर के दूसरे चरण में 12 राज्यों के 321 जिलों में 1,843 विधानसभा क्षेत्रों के लगभग 51 करोड़ मतदाताओं की समीक्षा कर रहा है. तीन दिसंबर तक इसके लिए 99 प्रतिशत फार्म वितरित और 93 प्रतिशत से अधिक डिजिटाइज किए जा चुके हैं. स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए आयोग अब तक 4,700 से अधिक सर्वदलीय बैठकों का आयोजन कर चुका है. इनमें 28,000 राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया.

# अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकते गांव

> भारत ने 2024-25 में 35.77 करोड़ टन अनाज पैदा करके एक ऐतिहासिक रिकार्ड बनाया है. पिछले दस सालों में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 10 करोड़ टन बढ़ा है. यह खेती में आत्मनिर्भरता और गांवों के विकास की तरफ देश की लगातार बढ़ती रफ्तार को दिखाता है. इस समय जहां वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर लगभग तीन प्रतिशत है और जी-7 देशों की अर्थव्यवस्थाएं औसतन करीब 1.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, वहीं भारत में 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही है.

इन दिनों भारत के आर्थिक परिदृश्य से संबंधित विभिन्न अध्ययन रिपोर्टों में यह तथ्य रेखांकित हो रहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में ग्रामीण भारत से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है. इन रिपोर्टों के अनुसार गांवों में खपत तेजी से बढ़ रही है. ग्रामीण गरीबी में कमी, छोटे किसानों की साहूकारी कर्ज पर निर्भरता में कमी, ग्रामीण खपत में वृद्धि, किसानों का जीवन स्तर बढ़ने जैसी विभिन्न अनुकूलताओं से ग्रामीण भारत मजबूती की राह पर आगे बढ़ रहा है. रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति समीक्षा की हालिया बैठक में कहा भी कि भारत में महंगाई घटने में कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण योगदान है और आगे

भी महंगाई नियंत्रण में खाद्यान्न उत्पादन की अहम भूमिका रहेगी.

विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण सुधार, बेहतर कृषि उत्पादन, ग्रामीण उपभोग में बढ़ोतरी तथा कर सुधार जैसे घटकों के दम पर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा. इसी तरह एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स द्वारा प्रकाशित एशिया-पैसिफिक इकोनमिक आउटलुक रिपोर्ट 2025 के मुताबिक ग्रामीण भारत में विकास की सकारात्मकता है. महंगाई घटने और करों में कटौती से भारत की ग्रामीण खपत में सुधार हुआ है. रिजर्व बैंक द्वारा प्रकाशित ग्रामीण उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक साल में 76.7 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों में उपभोग वृद्धि और 39.6 प्रतिशत परिवारों में आय में वृद्धि सामने आई है. इसी तरह एसबीआइ रिसर्च द्वारा गरीबी पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से आई है.

जहां 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत और शहरी गरीबी 13.7 प्रतिशत थी, वहीं 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घटकर 4.86 प्रतिशत और शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई है. हाल में जारी नाबार्ड की सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में अब 54.5 प्रतिशत परिवार औपचारिक स्त्रोतों-क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, सहकारी समितियों आदि से ऋण लेते हैं, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है. उल्लेखनीय है कि 2019 से शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना भी करोड़ों छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय मजबूती दे रही है.अप्रैल 2020 से शुरू की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है. ग्रामीण क्षेत्रों में औपचारिक ऋण व्यवस्था ने अच्छी प्रगति की है. गांवों में बैंक शाखाओं की संख्या मार्च 2010 के 33,378 से बढ़कर दिसंबर 2024 तक 56,579 हो गई है.

## इंडिगो संकट ने किया एकाधिकार के खतरे को उजागर

इंडिगो की वजह से भारत के विमानन क्षेत्र में पैदा हुए हालिया संकट ने फिर से एकाधिकार के खतरे को उजागर कर दिया है. इंडिगो का मामला लापरवाही, बाजार में अपनी मजबूत स्थिति का बेजा फायदा उठाने की कोशिश और जिम्मेदारियों से भागने का बड़ा उदाहरण है. संकट के दौरान भी, जब तक सरकार ने दखल नहीं दिया, कंपनी का रवैया ठीक नहीं रहा.

**सरकारी कमिटी:** DGCA के नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) नियम सभी एयरलाइंस पर लागू होने थे और इसके लिए सभी को पर्याप्त समय भी दिया गया था. लेकिन, इंडिगो ने नए नियमों के हिसाब से स्टाफ की भर्ती नहीं की, जिससे मौजूदा संकट इतना बड़ा हो गया. सरकार ने एक कमिटी बनाई है, जो इस बात की जांच करेगी कि कहीं इंडिगो ने जानबूझकर तैयारियों में देरी तो नहीं की, ताकि अथॉरिटीज पर प्रेशर बनाया जा सके.

**इंडिगो का दबदबा:** यह आशंका इस वजह से उठती है, क्योंकि केबिन क्रू और पायलटों की कमी को एकाएक पूरा नहीं किया जा सकता. क्या एयरलाइंस इस बात का इंतजार कर रही थी कि क्राइसिस हो ताकि उसे नियमों में छूट मिल सके? भारतीय विमानन क्षेत्र में इस समय इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 65% है. उसके बेड़े में 417 विमान हैं और सामान्य दिनों में हर दिन 2200 उड़ानें भरी जाती हैं.

**समझौता न हो:** संकट खड़ा होने पर पहली प्रतिक्रिया भी हैरान-परेशान करने वाली रही. हजारों यात्री जहां-तहां फंस गए, रिफंड के लिए परेशान होते रहे, जबकि कंपनियां मनमाना किराया वसूलने लगीं. सरकार की तरफ से फिलहाल नए नियमों में थोड़ी रियायत दी गई है, ताकि स्थिति सामान्य हो सके. फौरी तौर पर जनता को राहत देने के लिए यह भले सही हो, लेकिन नए FDTL नियमों से किसी सूरत में समझौता नहीं किया जाना चाहिए. ये नियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप और पायलटों की सेहत व उड़ान सुरक्षा के लिए जरूरी हैं.

**एकाधिकार टूटे:** सरकार ने इंडिगो से जवाब भी मांगा है, लेकिन यह समय नीतियों के मूल्यांकन का भी है. अगर कंपनी नए नियमों के लिए तैयारी नहीं कर रही थी, तो क्या अथॉरिटीज को इसकी खबर नहीं थी? क्या DGCA के निगरानी सिस्टम में सुधार की जरूरत है? मौजूदा संकट याद दिलाता है कि किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार होना कितना खतरनाक हो सकता है, जबकि कंपनियों के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा हो तो ग्राहकों को वाजिब कीमत पर अच्छी सर्विस मिलती है. देश में हवाई क्षेत्र की तरक्की की रफ्तार बहुत अच्छी है. यह आगे बनी रहे और यात्रियों को भी अच्छी सेवा मिले, इसके लिए और क्या कदम उठाए जा सकते हैं.

## शान दिखाने का जरिया बना जानलेवा जश्न

शादी समारोहों या जश्न के दौरान खुशी का इजहार करने के लिए हथियारों का प्रदर्शन और गोली चलाने की बढ़ती मानसिकता न केवल सामाजिक स्तर पर भय का वातावरण बना रही है, बल्कि इससे अपराध का एक नया रूप भी उभर कर सामने आ रहा है. खुशी की इस तथाकथित अभिव्यक्ति से आए दिन निर्दोष लोगों की जान जा रही है.

उत्तर प्रदेश के एटा जिले में हाल ही में विवाह समारोह के दौरान ऐसी ही एक घटना में दो नाबालिग लड़कों की मौत हो गई और जश्न का माहौल अचानक मातम में बदल गया. सवाल है कि इस तरह की गैर-कानूनी गतिविधियों पर आखिर रोक क्यों नहीं लग पा रही है? पुलिस भी तभी कार्रवाई करती नजर आती है, जब जश्न में गोली चलने से किसी की मौत हो जाती है.

अगर कोई अनहोनी न हो, तो समारोह में उत्साह और प्रसन्नता दिखाने के लिए गोली चलाने को आमतौर पर सामान्य माना जाता है. इसी लापरवाही का नतीजा है कि इस तरह की घटनाओं में जान जाने का जोखिम हमेशा बना रहता है. दरअसल, विवाह समारोहों और अन्य निजी कार्यक्रमों में हथियारों का प्रदर्शन तथा हवा में गोली चलाने का चलन अपनी शान दिखाने का जरिया बन गया है.

सामाजिक और मानवीय पहलू से इस बात पर भी विचार करना जरूरी है कि समारोह के आयोजकों की ओर से अपने रिश्तेदारों और संबंधियों को अपने साथ हथियार लाने की अनुमति देना क्या उचित है. जबकि खुशी में गोली चलाने से किसी की मौत हो जाने की खबरें आए दिन आती रहती हैं.

शस्त्र (संशोधन) अधिनियम 2019 के मुताबिक, सार्वजनिक समारोहों, धार्मिक स्थलों, शादियों या किसी अन्य कार्यक्रम में गोला-बारूद और आग्नेयास्त्रों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है.

इसके बावजूद अगर इनका बेरोकटोक इस्तेमाल हो रहा है, तो इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना भी स्वाभाविक है. यह सुनिश्चित करना पुलिस का कर्तव्य है कि लाइसेंसी हथियार का कहीं बेजा इस्तेमाल तो नहीं हो रहा है. अब समय आ गया है कि हथियार लाइसेंस की प्रक्रिया को भी कड़ा किया जाए और इसका दुरुपयोग रोकने के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित किया जाए.

## राशिफल

■ **मेष:** आज आपका आत्मविश्वास और साहस दोनों ही मजबूत बने रहेंगे. पराक्रम का फल साफ दिखाई देगा और रोज़गार में नई तरक्कियों के रास्ते खुलेंगे. सेहत में सुधार रहेगा और मानसिक ऊर्जा भी बढ़ेगी.

■ **वृषभ:** आप आज बहुत विनम्र और सभ्य तरीके से व्यवहार करेंगे, जिससे आपका प्रभाव भी बढ़ेगा. आर्थिक स्थिति मजबूती की ओर जाएगी और आय में वृद्धि के संकेत हैं. परिवार में कोई नई खुशी या सदस्य आने की संभावना है, जिससे घर का माहौल प्रसन्न रहेगा.

■ **मिथुन:** आज आपका व्यवहार और सोच दोनों ही सकारात्मक रहेंगे, जिससे लोग आपकी तरफ आकर्षित होंगे. सेहत में पहले से ज्यादा सुधार महसूस होगा. प्रेम-संतान के साथ रिश्तों में मिठास बनी रहेगी.

■ **कर्क:** आज खर्चों की अधिकता आपको मानसिक रूप से परेशान कर सकती है. हालांकि ज्यादातर खर्च शुभ और जरूरी कामों पर होंगे, लेकिन ध्यान न रखने पर आर्थिक दबाव बढ़ सकता है. अनावश्यक खर्च आपको कर्ज की स्थिति तक ले जा सकता है, इसलिए थोड़ी सावधानी जरूरी है.

■ **सिंह:** आज आपके लिए आय के नए स्रोत बनेंगे. रुका हुआ धन वापस मिलने की प्रबल संभावना है और किसी नए काम या संपर्क से भी पैसे आने के योग बन रहे हैं. यात्रा से शुभ समाचार या लाभ मिल सकता है.

■ **कन्या:** आज शत्रुओं पर आपका प्रभाव इतना मजबूत रहेगा कि वे भी आपके साथ नरमी से पेश आएंगे. आपमें ज्ञान को समझने और सीखने की ऊर्जा बढ़ेगी. बुजुर्गों का आशीर्वाद आपके हर काम में मदद करेगा. सेहत, प्रेम और व्यापार की स्थिति काफी मजबूत रहेगी, हालांकि हल्का-सा स्वास्थ्य ध्यान मांग सकता है. किसी भी प्रकार का रिस्क लेने से बचें.

■ **तुला:** आज आपका झुकाव धर्म-कर्म और शुभ कार्यों की ओर रहेगा. प्रोफेशनल सेक्टर में बड़ी सफलता के योग हैं. यदि कोई मामला कोर्ट-कचहरी में चल रहा है तो जीत आपके पक्ष में रहने की पूरी संभावना है. उच्च पदों पर बैठे लोगों से सहयोग और आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपके अधूरे कार्य पूरे होने लगेंगे. सेहत में सुधार होगा और प्रेम-संतान का सहयोग भी मजबूत रहेगा. व्यापारियों के लिए दिन लाभकारी है.

■ **वृश्चिक:** विद्यार्थियों के लिए यह समय बेहद शानदार है. पढ़ाई, लिखाई, क्रिएटिविटी और निर्णय लेने के लिए दिन उत्तम है. लेखक, कवि और रचनात्मक लोग आज अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे. सेहत, प्रेम और व्यापार स्थिर और सकारात्मक रहेंगे.

■ **धनु:** आपके समय में पहले की तुलना में काफी सुधार हो चुका है. अब आप पुराने जोखिमों से बाहर आ चुके हैं और नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं. सेहत मजबूत रहेगी और परिवार में सामंजस्य बना रहेगा. प्रेम-संतान का सहयोग आपके मन को शांत और संतुष्ट रखेगा. व्यापार की गति अच्छी और स्थिर रहेगी, जिससे आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा.

■ **मकर:** आज आपको विशेष सावधानी की जरूरत है. चोट या किसी अनचाही परेशानी का संकेत मिल रहा है, इसलिए कोई भी जोखिम भरा काम न करें. इसके बावजूद सेहत स्थिर रहेगी और प्रेम-संतान की स्थिति भी बढ़िया रहेगी. व्यापार में सकारात्मकता बनी रहेगी और कार्य सामान्य रूप से आगे बढ़ते रहेंगे.

■ **कुंभ:** आज जीवनसाथी का पूरा सहयोग और स्नेह मिलेगा. रोजगार में तरक्की होगी और नौकरी में आपकी स्थिति और मजबूत होगी. सेहत में सुधार होगा और मन प्रसन्न रहेगा. प्रेम-संतान की स्थिति संतोषजनक रहेगी. व्यापार में लाभ और स्थिरता दोनों मिलेंगे.

■ **मीन:** भूमि, भवन या वाहन खरीदने का मजबूत योग बन रहा है. भौतिक सुविधाओं में वृद्धि होगी और परिवार में किसी शुभ कार्यक्रम का संकेत भी मिल रहा है. हालांकि घर में हल्का-सा विवाद हो सकता है, इसलिए संयम रखें. सेहत में सुधार होगा और प्रेम-संतान का सहयोग भी अच्छा मिलेगा. व्यापार में प्रगति दिखेगी. आज गणेश जी को प्रणाम करना शुभ रहेगा.

# आग से सुरक्षा के लिए इंतजामों में लापरवाही कब रुकेगी?

किसी भी हादसे का मुख्य सबक यह होना चाहिए कि उस तरह की घटना से बचने के लिए हर उपाय किए जाएं, ताकि वैसा दोबारा न हो. मगर आए दिन लगभग समान दिखने वाले हादसों की खबरें आती रहती हैं, उसमें नाहक लोगों की जान जाती है और कई बार एक ही प्रकृति की लापरवाही आम पाई जाती है.

गोवा के एक नाइट क्लब में शनिवार रात जिस तरह आग लगी और उसमें कम से कम पच्चीस लोगों की जान चली गई, उससे फिर यही पता चलता है कि सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी जरूरी पक्ष को लेकर लापरवाही के नतीजे क्या हो सकते हैं. आग लगने के वास्तविक कारण जांच के बाद ही सामने आएंगे, मगर किसी भी जगह ऐसे हादसे में जानमाल की क्षति का मुख्य कारण बचाव के पर्याप्त इंतजाम न होने से आग का तेजी से फैलना होता है.

खबरों के मुताबिक, गोवा के उस क्लब में भी आपात स्थिति में बाहर निकलने का रास्ता बेहद संकरा था, जिसमें कई लोग फंस गए. विडंबना यह है कि नाइट क्लब या ज्यादा लोगों के जमावड़े वाली जगहों पर चकाचौंध पैदा करने के लिए भारी खर्च किए जाते हैं, लेकिन आपात स्थिति में बचाव को लेकर अमूमन सभी जरूरी पहलुओं को लेकर घोर लापरवाही बरती जाती है.

किसी भी हादसे की स्थिति में सबसे बुनियादी और प्राथमिक जरूरत बचाव का उपाय होती है. मगर जानमाल के व्यापक नुकसान की लगभग सभी घटनाओं में कारण के तौर पर एक विचित्र तरह की समानता पाई जाती है कि वहां अग्नि शमन की व्यवस्था या तो नहीं थी या फिर वह काम नहीं कर रही थी.

निश्चित तौर पर यह संबंधित भवन के मालिक और प्रबंधन की लापरवाही होती है, लेकिन अक्सर लोगों के जमा होने की जगहों पर आग लगने की स्थिति में बचाव इंतजामों की जांच करने के मामले में सरकार या संबंधित महकमों की जिम्मेदारी क्या होती है?

गोवा को एक अहम पर्यटक स्थल और अपेक्षया एक सुरक्षित जगह के रूप में देखा जाता रहा है. मगर नाइट क्लब में आग लगने से जिस तरह पच्चीस लोगों की जान चली गई, उसके बाद वहां के जोखिम को लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं. इस हादसे के बाद गोवा के बाकी क्लबों में भी अग्नि शमन, सुरक्षा और बचाव के उपायों की स्थिति की जांच की मांग की जा रही है.

## तूफान की तरह फैलकर हवा में उड़ गई कानूनी नोटिस!

महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों एक अद्भुत कथा चल रही है. कहते हैं कि नोटिस भेजी गई है, लेकिन उसे देखने का सौभाग्य अभी तक किसी को प्राप्त नहीं हुआ है. मीडिया में घोषणा हो चुकी, बयानबाजी हो चुकी, पर नोटिस स्वयं गुप्त साधना में लीन है. पूर्व राज्यमंत्री तथा बहुजन रिपब्लिकन एकता मंच की अध्यक्षा, अधिवक्ता सुलेखा कुंभारे का स्पष्ट कहना है, 'मुझे आज तक कोई कानूनी नोटिस प्राप्त नहीं हुई. और माफी? वह तो किसी भी परिस्थिति में नहीं.'

राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने मीडिया को बताया कि उन्होंने कुंभारे को कानूनी नोटिस भेज दी है. पर कुंभारे का कहना है, 'नोटिस की खबर तो तूफान की तरह पैली, पर नोटिस खुद हवा में भी नहीं दिखाई दी.' उन्होंने कहा कि इतने बड़े पद पर बैठे मंत्री द्वारा गलत सूचना पैलाना सार्वजनिक जीवन की मर्यादा के विपरीत है. कुंभारे ने चुनौती दी, 'नोटिस आएगी तो कानूनी भाषा में मजबूत उत्तर दिया जाएगा. हम आंबेडकरवादी भीमसैनिक हैं, लड़ने से पीछे नहीं हटते.'

## तो फिर लगाना पड़ेगा वंदे मातरम का नारा!

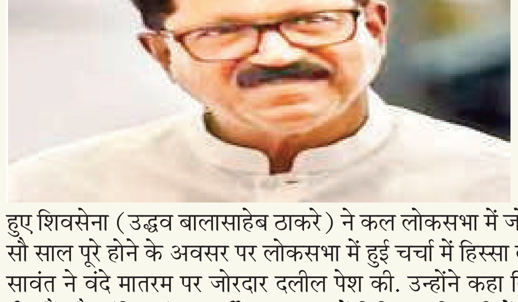

देश के संविधान की मूल भावना पर हमला करने का प्रयास किया जा रहा है. सभी संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है. वंदे मातरम एक प्रेरणादायक गीत है. इस राष्ट्रगीत ने देश की आजादी की नींव रखी. संविधान की रक्षा के लिए फिर से वंदे मातरम का नारा देना होगा. इस तरह की आवाज बुलंद करते हुए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने कल लोकसभा में जोरदार आवाज उठाई. वंदे मातरम के डेढ़ सौ साल पूरे होने के अवसर पर लोकसभा में हुई चर्चा में हिस्सा लेते हुए शिवसेना नेता व सांसद अरविंद सावंत ने वंदे मातरम पर जोरदार दलील पेश की. उन्होंने कहा कि वंदे मातरम देशभक्ति से उपजा हुआ गीत है और बंकिमचंद्र चटर्जी पर १८७* में ब्रिटिश अधिकारियों ने जुल्म किया था, उसके विरोध में उन्हें यह गीत सूझा.

## दबाव किस बात का?

नागपुर की गुलाबी ठंड में विधान-मंडल का शीतकालीन सत्र चल रहा है. हालांकि, सत्र की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के एक बयान से सत्र की ठंड गायब हो गई. मुख्यमंत्री ने कहा, 'राज्य की वित्तीय स्थिति कठिन है. बहुत दबाव है, लेकिन महाराष्ट्र वित्तीय दिवालियापन की ओर नहीं बढ़ रहा है.' और शीतकालीन सत्र में महाराष्ट्र के वित्तीय संकट पर गरमा-गरम बहस शुरू हो गई. दरअसल, देखा जाए तो मुख्यमंत्री ने जो सच है, वही कहा. 'दिवालियापन की ओर बढ़ रहे राज्य का मैं मुख्यमंत्री हूं' यह कटु सत्य सीधे तौर पर बताए बिना, मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के सामने सावधानीपूर्वक अर्धसत्य प्रस्तुत किया. मुख्यमंत्री को वित्तीय दिवालियापन से इनकार करते हुए पत्रकारों को राज्य की वित्तीय स्थिति की भयावहता का सच बताते हुए एक अजीबोगरीब सर्कस करना पड़ा. दिल्ली से लेकर गल्ली तक भारतीय जनता पार्टी के तमाम नेता ऐसी चालों में माहिर हैं. ये मंडली भ्रामक और भ्रमित करनेवाले बयान देकर जनता को बेवकूफ बनाने में माहिर है. खजाने में एक दमड़ी भी नहीं बची है, इधर-उधर से उधारी कर, कर्ज लेकर सरकार की गाड़ी जैसे-तैसे धकेली जा रही है, बावजूद इसके सरकार दिवालिया नहीं है, यह डंके की चोट पर सिर्फ भाजपा के मुख्यमंत्री ही कह सकते हैं. महाराष्ट्र को कर्ज के जाल में धकेलने वाली महागठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री का यह बयान, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के डॉलर और रुपए को लेकर दिए गए बयान जितना ही हास्यास्पद है. जब भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर लगातार गोते लगा रहा था, तब वित्त मंत्री सीतारमण ने अजीबोगरीब तर्क दिया था कि 'रुपया कमजोर नहीं हो रहा, डॉलर मजबूत हो रहा है.' 'तनाव जरूर है, लेकिन दिवालियापन नहीं है!' मुख्यमंत्री का बयान भी कुछ ऐसा ही है. मुख्यमंत्री के बयान से ज्यादा, अगर हम महाराष्ट्र की मौजूदा आर्थिक तस्वीर देखें और यहां तक कि मुख्यमंत्री के पसंदीदा आंकड़ों पर भी नजर डालें, तो यह साफ हो जाता है कि मुख्यमंत्री वैसे दिवालियापन को छिपा रहे हैं.

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रणव सातोकर द्वारा यह मुद्रित कर दूसरी मंजिल, पाध्ये हाउस, एमजी हाउस के सामने, सिविल लाइंस, 440001 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *श्रुती शिंदे, कार्यकारी संपादक - प्रणव सातोकर *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 9834876411, rashtrabaanngp@gmail.com

# पंजाब के पंचायत चुनाव को क्यों कहा जा रहा 2027 का सेमीफाइनल

## किसका क्या दांव पर लगा है?

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.** पंजाब में जिला परिषद और ब्लॉक समितियों के चुनाव हो रहे हैं. पंचायत चुनाव के लिए 14 दिसंबर को मतदान है, जिसके लिए राजनीतिक दलों ने अपने-अपने समर्थकों को मैदान में उतार रखा है. इस चुनाव के बाद सीधे विधानसभा चुनाव होंगे, जिसके चलते इसे 2027 का सेमीफाइनल माना जा रहा है. ऐसे में आम आदमी पार्टी से लेकर कांग्रेस, बीजेपी और अकाली दल की साख दांव पर लगी है.

राज्य के 23 जिला परिषद और 154 ब्लॉक समितियों के लिए ये चुनाव होंगे. 23 जिला परिषद के लिए 357 जिला पंचायत सदस्यों के लिए चुनाव हो रहे हैं और 154 ब्लॉक के लिए 2863 क्षेत्र पंचायत सदस्य सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं. जिला पंचायत सदस्य ही जिला परिषद अध्यक्ष का चुनाव करेंगे. ऐसे ही ब्लॉक समिति के 2863 सदस्य 154 ब्लॉक प्रमुख का चुनाव करेंगे.

**2027 का सेमीफाइनल माना जा रहा है?**

जिला चुनाव पहले ही देरी से हो रहे हैं, क्योंकि यह चुनाव मई 2025 में होने थे. पंचायत समिति के लिए 8098 और जिला परिषद के लिए 1249 उम्मीदवार मैदान में हैं. जिला पंचायत चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव का रिहर्सल माना जा रहा है.जिला पंचायत और ब्लॉक समिति के चुनाव को 2027 का सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है, क्योंकि पंचायत चुनाव के बाद सीधे विधानसभा चुनाव होने हैं. पंजाब की दो तिहाई विधानसभा सीटें ग्रामीण इलाके से आती हैं, जहां पर पंचायत चुनाव होते हैं.राज-नीतिक दल जिला और ब्लॉक पंचायत चुनाव के जरिए अपनी सियासी ताकत का आकलन करते हैं. पंजाब में औसतन चार से छह जिला पंचायत सदस्यों को मिलाकर विधानसभा का एक क्षेत्र हो जाता है. यही वजह है कि सभी दल अपनी ताकत का अंदाजा लगाना चाहते हैं.राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो जिला पंचायत के सदस्यों को मिलने वाले वोट का आधार बनाकर राजनीतिक दलों को इस बात का यह एहसास होता है कि वो कितने पानी में हैं. पंजाब की सियासत ही गांव से ही तय होती है, जिसके लिए पंजाब का जिला परिषद और ब्लॉक समिति का चुनाव काफी अहम है. इसीलिए सभी दलों ने अपनी-अपनी ताकत झोंक रखी है.

### पंजाब में जिला और ब्लॉक समिति के चुनाव

पंजाब के स्थानीय निकाय चुनाव के तहत जिला परिषद और ब्लॉक समिति के लिए चुनाव हो रहे हैं. निकाय चुनाव की 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं.छह महीने की देरी के बाद जिला परिषद की 357 और पंचायत समिति की 2863 सीटों पर 14 दिसंबर को चुनाव होने जा रहे हैं, जिससे गांवों का विकास अब पटरी पर लौटने की उम्मीद है. इसकी वजह यह है कि गांव को पंचायत और जिला परिषद में उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा. इस चुनाव के साथ ही गांवों के विकास को लेकर एक बार फिर से राजनीति गरमाई गई है.

### किसके लिए कितना अहम निकाय चुनाव?

पंजाब का जिला परिषद और ब्लॉक समिति का चुनाव आम आदमी पार्टी के लिए जितना अहम है, उससे ज्यादा कांग्रेस, बीजेपी और अकाली दल के लिए अहमियत रखता है. आम आदमी पार्टी जिला और ब्लॉक समिति पर अपना कब्जा जमाकर बताना चाहती है कि उसकी सियासी पकड़ पंजाब में अभी भी बरकरार है.

### गांव के सियासी नब्ज समझने का दांव

पंचायत चुनाव के आधार पर वोटों के समीकरण को दुरुस्त करने की कवायद करते हैं. सियासी दल ये भी समझते हैं और आकलन करते हैं कि क्षेत्रवार और जातिवार के आधार पर आगे कैसी रणनीति बनानी है. पंजाब पंचायत चुनाव के आधार पर 2027 के विधानसभा चुनाव की सियासी जमीन की थाह ले रही है, जिसके लिए पूरी ताकत झोंक रखी है.

# 'टुकड़ों' में बंटेगा पाकिस्तान !

## मच गया इस प्लान पर हंगामा

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.** पाकिस्तान और 'विभाजन' शब्द सुनते ही 1971 की याद आती है, जब इस्लामी गणराज्य दो हिस्सों में बंट गया था और अपना पूर्वी प्रांत, ईस्ट पाकिस्तान, खो बैठा था. लेकिन आज जिस विभाजन की बात हो रही है, वह बिल्कुल अलग तरह का है, एक ऐसा विभाजन जिसे मौजूदा पाकिस्तानी शासन अब आक्रामक तरीके से आगे बढ़ा रहा है. रविवार को पाकिस्तान के संचार मंत्री, अब्दुल अलीम खान ने कहा कि पाकिस्तान में छोटे-छोटे प्रांत 'निश्चित तौर पर बनाए जाएंगे'. उन्होंने तर्क दिया कि इससे शासन और सरकारी सेवाओं में सुधार होगा. हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान में प्रांतों का और विभाजन फायदेमंद से ज्यादा नुकसानदेह हो सकता है. आजादी के समय 1947 में पाकिस्तान में पांच प्रांत थे- ईस्ट बंगाल, वेस्ट पंजाब, सिंध, नॉर्थ-वेस्ट फ्रंटियर प्रोविंस (NWFP) और बलूचिस्तान. 1971 के मुक्तियुद्ध (Liberation War) के बाद ईस्ट बंगाल स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बन गया. वेस्ट पंजाब पंजाब कहलाया, NWFP का नाम बदलकर खैबर पख्तूनख्वा (KP) रखा गया, और सिंध व बलूचिस्तान पहले जैसे ही रहे. एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, इस्तेहकाम-ए-पा-किस्तान पार्टी (IPP) के नेता अलीम खान ने कहा कि यह कदम 'प्रशा-सनिक नियंत्रण मजबूत' करेगा और नागरिकों तक सेवाओं की बेहतर ढंग से डिलीवरी सुनिश्चित करेगा.

### पाकिस्तान में और प्रांत बनाने की तैयारी

पाकिस्तान को प्रशासनिक रूप से और बांटने की तैयारी ऐसे समय में हो रही है जब बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में अलगाववादी आंदोलनों ने गति पकड़ ली है. इन दोनों ही प्रांतों में हो रहे उग्र विरोध का सामना करने के लिए फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की 'हाइब्रिड सरकार' पूरी ताकत लगा रही है. रिपोर्ट के अनुसार, देश के संचार मंत्री अलीम खान के बयान से पहले इस मुद्दे पर हाल ही में कई सेमिनार, मीडिया चर्चाएं और बहसें आयोजित हुई हैं.

# CM नीतीश के मुरीद हुए ओवैसी के विधायक

## क्या बिहार में फिर AIMIM के साथ होगा 'खेला'?

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.** बिहार की सियासत में असदुद्दीन ओवैसी ने दोबारा से पांच सीटें जीतकर अपना लोहा मनवाया, लेकिन अब उनकी ही पार्टी के विधायक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारीफ करने लगे हैं. AIMIM के नवनिर्वाचित पांचों विधायकों में से तीन विधायकों ने सोमवार को पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की. इसके बाद ओवैसी के विधायक मो. मुर्शीद आलम ने नीतीश कुमार को अपना राजनीतिक गुरु बताया. सवाल उठने लगे हैं कि क्या फिर AIMIM के साथ सियासी खेला होगा?

सीमांचल की जोकीहाट सीट से AIMIM के टिकट पर विधायक बने मुर्शीद आलम ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर दो बड़ी मांग उनके सामने रखी. इसमें जोकीहाट में दो नए महाविद्यालय और जोकीहाट में एक अतिरिक्त ब्लॉक (अंचल) की स्वीकृति की मांग की गई. इसके साथ उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मेरे सियासी गुरु हैं और मुझे सियासत में लाने वाले नीतीश कुमार हैं, उनके योगदान को कभी नहीं भूल सकता हूं.

बता दें कि 2020 में ओवैसी के पांच विधायक बिहार चुनाव में जीतकर आए थे, जिनमें से चार विधायकों ने AIMIM को छोड़कर आरजेडी का दामन थाम लिया था.

### मुलाकात के निकाले जा रहे सियासी अर्थ

हालांकि, AIMIM के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरउल ईमान ने कहा कि उनकी और उनके विधायकों की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से हुई मुलाकात का कोई और मायने नहीं निकाला जाए. उन्होंने मुख्यमंत्री से सीमांचल के मुद्दे पर मिलने गए थे. इसीलिए कोई सियासी अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए, लेकिन जिस तरह से मुलाकात के बाद नीतीश कुमार की तारीफ ओवैसी के विधायक कर रहे हैं, उसके राजनीतिक मायने तलाशे जा रहे हैं. मुर्शीद आलम ही नहीं, अख्तरुल ईमान भी जेडीयू से AIMIM में आए हैं.

### ओवैसी के MLA के गुरु हैं नीतीश कुमार

असदुद्दीन ओवैसी के विधायक मुर्शीद आलम ने अपना राजनीतिक गुरु नीतीश कुमार बताते हुए जमकर तारीफ की. यही नहीं, मुर्शीद आलम ने कहा कि वो दूसरे दल से जरूर हैं, लेकिन नीतीश कुमार के एहसान को कभी नहीं भूल सकते हैं. उन्होंने कहा कि 2014 में मुझे नीतीश कुमार ने जेडीयू में शामिल कराया था. अपने क्षेत्र की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिला हूं. इतना ही नहीं, अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए जिस तरह से मुर्शीद आलम ने नीतीश कुमार के सामने डिमांड रखी है और उनकी शान में कसीदे गढ़े हैं, उसके चलते सियासी कयास लगाए जाने लगे हैं.

# सैलरी स्लिप देखकर इस इस्लामिक देश में गैर-मुस्लिमों को मिलेगी शराब !

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.** मध्य-पूर्व के इस्लामिक देश सऊदी अरब ने शराब बिक्री पर दशकों से लगे अपने कड़े प्रतिबंधों में ढील दी है जो कि बेहद दुर्लभ माना जा रहा है. लेकिन यह ढील सिर्फ कुछ चुनिंदा गैर-मुस्लिम विदेशी निवासियों के लिए है. सऊदी अरब में रहने वाले गैर-मुसलमान अमीरों को अब शराब मिलनी शुरू हो गई है.

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर आप गैर-मुस्लिम हैं और आपकी मासिक आय लगभग 13,300 डॉलर (करीब 12 लाख रुपये) है, तो आप सऊदी की राजधानी रियाद में स्थित एकमात्र शराब दुकान पर जाकर बीयर खरीद सकते हैं. यह कदम उस इस्लामी देश की बड़ी नीतिगत बदलाव का संकेत है, जहां कुरान की शिक्षाओं का पालन करते हुए कई मुसलमान पूरी तरह शराब से दूरी बनाए रखते हैं. यह देश इस्लाम के दो सबसे पवित्र स्थलों मक्का और मदीना का भी घर है. हालांकि, पिछले कुछ सालों में सऊदी अरब ने कई सख्त नियमों को खत्म किया है. महिला सुधारों की दिशा में बड़े कदम उठाए गए हैं जैसे उन्हें ड्राइविंग की आजादी देना, अकेले कहीं भी आने-जाने की आजादी देना.

### सिर्फ अमीरों के लिए शराब

ब्लूमबर्ग के अनुसार, शराब खरीदने के लिए विदेशी निवासियों को दुकान पर अपना सैलरी सर्टिफिकेट दिखाना होता है, ताकि उनकी इनकम की पुष्टि हो सके. फिलहाल सऊदी अरब में औसत मासिक वेतन करीब 2,750 डॉलर (लगभग 2.47 लाख रुपये) है. रियाद के डिप्लोमैटिक क्वार्टर में स्थित सऊदी का एकमात्र शराब स्टोर जनवरी 2024 में खोला गया था, लेकिन उस समय यह सिर्फ विदेशी डिप्लोमैट्स और प्रीमियम रेजीडेंसी धारकों (जैसे उद्यमी और बड़े निवेशक) के लिए था. उससे पहले, डिप्लोमैट्स सीलबंद पैकेजों में शराब आयात करते थे.

## फास्ट ट्रैक

### यात्रियों को परेशान करने की इजाजत नहीं दी जाएगी

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.**इंडिगो संकट पर केंद्र सरकार सख्त हो गई है. नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने लोकसभा में मंगलवार को कहा कि किसी भी एयरलाइन को, चाहे वह कितनी भी बड़ी क्यों न हो, यात्रियों को परेशानी पैदा करने की इजाजत नहीं दी जाएगी. मंत्री ने बताया कि DGCA ने इंडिगो के सीनियर लीडरशिप को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और विस्तृत जांच की जा रही है. रिपोर्ट के आधार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी.

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने सदन को बताया कि इंडिगो की दिक्कतें अब ठीक हो रही हैं. बाकी सभी एयरलाइंस पूरे देश में सुचारू रूप से चल रही हैं. देश भर के एयरपोर्ट पर हालात सामान्य हैं, कहीं भी भीड़ या परेशानी नहीं है. रिफंड, बैगेज ट्रेसिंग और यात्रियों को सपोर्ट देने के उपाय मंत्रालय की देखरेख में हैं. इंडिगो संकट पर लोकसभा में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि फ्लाइट ऑपरेशन तेजी से सामान्य हो रहे हैं. इंडिगो को जवाबदेह ठहराया जा रहा है. यात्रियों की सुविधा और गरिमा की रक्षा की जा रही है और भारत के एविएशन सेक्टर को और अधिक यात्री-केंद्रित बनाने के लिए लंबे समय के उपाय किए जा रहे हैं... राज्यसभा में भी कही ये बात इससे पहले राज्यसभा में मंत्री ने कहा था कि यात्रियों को जो दिक्कतें आ रही हैं, वे एयर-लाइन के इंटरनल क्रू रोस्टरिंग और ऑपरेशनल प्लानिंग से जुड़ी हैं, न कि एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस और शेड्यूलिंग सिस्टम (AMSS) से.

# 'रजाकरों से कोई समझौता नहीं'

## ढाका यूनिवर्सिटी में पाकिस्तान के खिलाफ उबले छात्र, कहा- नहीं बदलेगा सच

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.** बांग्लादेश के साथ मिलकर भारत के खिलाफ साजिश रचने की चाल चल रहे पाकिस्तान को वहां के युवाओं और छात्रों ने आईना दिखाया है. बांग्लादेश की राजधानी ढाका के छात्रों ने विजय दिवस से पहले बड़ा प्रदर्शन किया है और कहा है कि रजाकरों के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है.

ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों ने पाकिस्तान को सीधी चुनौती दी. छात्रों ने विजय दिवस पर यूनिवर्सिटी गेट पर हाथ से बना बड़ा बैनर लगाया. यहां उन्होंने 1971 की जंग में पराजित पाकिस्तान का झंडा भेजकर साफ संदेश लिखा- 'नो कॉम्प्रमाइज विद रजाकर'. छात्रों ने 1971 में पाकिस्तान द्वारा बांग्लादेश में किए गए नरसंहार का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि एक अलग राष्ट्र के रूप में आने के लिए बांग्लादेश के लोगों ने भारी कीमत चुकाई. इन छात्रों का कहना था- पीढ़ियां बदल सकती हैं, लेकिन सच नहीं बदलता. ख शहीदों और 2 लाख महिलाओं की अस्मिता पर हमले हुए.

### पाकिस्तान के लिए मोहम्मद यूनुस का प्यार

मोहम्मद यूनुस पिछले साल शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद देश के मुख्य प्रशासक हैं. यूनुस के राज में बांग्लादेश ने परंपरागत मूल्यों से इतर जाकर पाकिस्तान को गले लगाया है. इसके बाद यूनुस और पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की न्यूयॉर्क और काहिरा में हुई. पाकिस्तान की सेना के बड़े अफसर ढाका के दौरे पर आए और ढाका के अफसर पाकिस्तान दौरे पर गए.

# 'पतले इंसान को वजन घटाने को कहा'

## यूनुस ने बांग्लादेश का क्या कर डाला, लगी पाकिस्तान वाली बीमारी

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.** बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को लेकर हताश और उदास करने वाली खबर आ रही है. अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस की अगुआई में चल रहा बांग्लादेश कर्ज के भंयकर जाल में फंस गया है. ये जानकारी किसी विदेश एजेंसी ने नहीं बल्कि बांग्लादेश की सरकार की एजेंसियों ने ही दी है. बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय के अनुसार इस साल मार्च तक बांग्लादेश का कुल बकाया कर्ज 19,99,928 करोड़ टका था. इसमें से विदेशी कर्ज 8,41,992 करोड़ टका था. इस दौरान मुल्क में विदेशी निवेश लगभग निल हो गया है. बांग्लादेश कर्ज के जाल में फंस गया है. आज की तारीख में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा खर्च कर्ज का सूद चुकाना बन गया है. जबकि टैक्स-टू-GDP रेश्यो 10 प्रतिशत से घटकर लगभग 7 प्रतिशत हो गया है. ये बातें देश के रेवेन्यू अथॉरिटी के प्रमुख ने कही है. ढाका में एक सेमिनार में बोलते हुए नेशनल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (NBR) के चेयरमैन एम अब्दुर रहमान खान ने चेतावनी दी कि बांग्लादेश धीरे-धीरे एक खतरनाक और मजबूरी वाली निर्भरता की ओर बढ़ रहा है.

### कुल विदेशी कर्ज $104.48 बिलियन

इस बीच वर्ल्ड बैंक की इंटरनेशनल डेट रिपोर्ट 2025 के डेटा से पता चलता है कि पिछले पांच सालों में बांग्लादेश का बाहरी कर्ज 42 प्रतिशत बढ़ गया है, और 2024 के आखिर तक कुल विदेशी कर्ज $104.48 बिलियन तक पहुंच गया है. बांग्लादेश में अब बाहरी कर्ज एक्सपोर्ट से होने वाली कमाई का 192 परसेंट हो गया है, और कर्ज चुकाने का पेमेंट बढ़कर एक्सपोर्ट का 16 परसेंट हो गया है.

### 'दुबले-पतले इंसान को वजन घटाने कहा जा रहा है'

उन्होंने कहा, हम पहले ही कर्ज के जाल में फंस चुके हैं. इस सच्चाई को माने बिना आगे बढ़ना संभव नहीं है. उन्होंने कहा कि यह ट्रेंड ऐसी इकॉनमी के लिए खतरनाक है जो पहले से ही सीमित फिस्कल स्पेस से जूझ रही है.सेमिनार में मौजूद थिंक टैंक सेंटर फॉर पॉलिसी डायलॉगके फेलो और जाने-माने अर्थशास्त्री मुस्तफिजुर रहमान ने कहा कि रेवेन्यू बजट में सैलरी और पेंशन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खर्च एग्रीकल्चर और एजुकेशन पर होता था जबकि अब यह इंटरेस्ट पेमेंट पर होता है.

## व्यवस्था | तो शंकराचार्य होते गोलवलकर

# दूसरे सरसंघचालक ने क्यों नहीं स्वीकारा प्रस्ताव

राष्ट्रबाण

**नई दिल्ली.** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक गुरु गोलव-लकर ने जैसे चारों शंकराचार्यों को सनातन और भारत की सेवा से जोड़ा था, उतना शायद कोई दूसरा नहीं कर पाया. लेकिन कम लोगों को पता है कि गुरु गोलवलकर के जीवन में ऐसा भी अवसर आया, जब वो खुद भी शंकराचार्य बन सकते थे, लेकिन उन्होंने विनम्रता से मना कर दिया. ये घटना पुरी की गोवर्धन पीठ से जुड़ी है. गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य गोलोक जाने से पहले अपने संभावित उत्तराधिकारी के लिए कुछ नाम लिख गए थे, जिनमें गुरु गोल-वलकर का नाम था. लेकिन गुरु गोलवलकर ने इस प्रस्ताव को ये कहकर अस्वीकार कर दिया था कि इस पवित्र पद के योग्य मैं नहीं. शाखा के जरिए मैं समाज की अच्छी सेवा कर सकता हूं.

रंगा हरि की गुरु गोलवलकर की जीवनी में इस तरह की दूसरी घटना की जानकारी मिलती है, वह गुरु गोलवलकर को गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य के उत्तराधिकारियों के नामों में होने की भी जानकारी देते हैं. वह लिखते हैं कि, "जगन्नाथ पुरी की गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य श्रीमद भारती कृष्णातीर्थ अपना उत्तरा-धिकारी तय करने से पहले ही गोलोक चले गए. हालांकि उन्होंने अपने सम्भावित उत्तराधिकारियों की एक सूची तैयार की हुई थी. इनमें से एक नाम माधव सदाशिव गोलव-लकर यानी गुरु गोलवलकर का भी था. उन्होंने पहले ही द्वारिकाधीश पीठ के शंकराचार्य को उनके बाद की समुचित व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी दे रखी थी. जब गुरु गोल-वलकर को इसकी सूचना मिली तब वह मई में लगने वाले संघ शिक्षा वर्ग की तैयारियों में जुटे थे. उन्होंने द्वारिकाधीश पीठ के शंकराचार्य को संस्कृत में एक पत्र लिखा, जो उन दिनों बम्बई (मुंबई) प्रवास पर थे".

इस पत्र में लिखा था कि, "परम पूज्य भारतीकृष्ण तीर्थ की अंतिम इच्छा के रूप में प्रकाशित संभावित उत्तरा-धिकारी की सूची में मैंने अपना नाम भी देखा. आज तक मैंने कभी ऐसी इच्छा नहीं की. जगद्गुरु के उच्च पद पर आसीन होने के लिए आवश्यक विद्वत्ता, तप, तपस्या आदि जैसे अति महत्वपूर्ण गुणों का मुझमें सर्वथा अभाव है. ऐसे सर्वोच्च गुणों से युक्त कोई विरला महापुरुष ही पूज्य जगद्गुरु पीठ के पद पर आसीन हो सकता है".

शंकराचार्य उनसे सहमत थे, फिर भी उनको एक जिम्मेदारी दी कि वो इस कार्य के लिए जयपुर संस्कृत कॉलेज के प्रधानाचार्य चंद्रशेखर शास्त्री से बात करें. गुरु गोलवलकर ने इसे आज्ञा की तरह लेते हुए गुजरात के प्रांत प्रचारक ब्रह्मदेव से कहकर शास्त्रीजी के साथ एक बैठक रखने के लिए कहा. उसके बाद गोलव-लकर खुद जयपुर गए और शास्त्रीजी के घर एक घंटे तक उनसे विस्तार से बातचीत की. चूंकि उन्हें पता था कि शास्त्रीजी के पास शंकराचार्य ने उन्हें केवल संदेशा भेजने के लिए नहीं चुना है बल्कि उस व्यक्ति को परखने के लिए भी भेजा है, सो मुलाकात के बाद उन्हें कहा कि आपको आदरणीय शंकराचार्य ने इस पीठ के पीठाधीश्वर के लिए चुना है तो आपकी विद्वता, ज्ञान, आपके बेदाग चरित्र के चलते चुना है, जिनकी

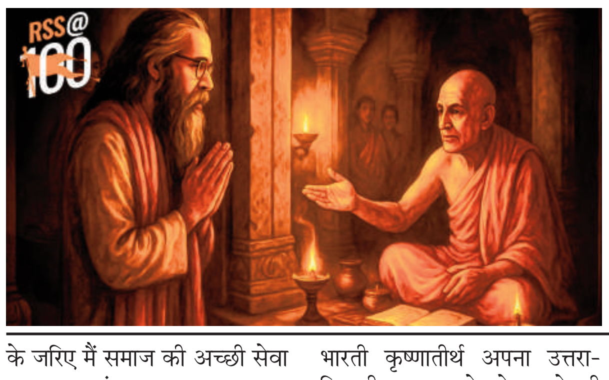


### आपकी आज्ञा का पालन ना करने का पाप मुझे लगा

हालांकि रंगा हरि लिखते हैं कि उसके बाद भी गुरु गोलवलकर ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ा, उन्हें ये भी अहसास था कि जगदगुरु शंकराचार्य के प्रस्ताव से इनकार करने का अर्थ गलत भी लगाया जा सकता है. सो समय मिलते ही द्वारिकाधीश शंकराचार्य से मुलाकात की और कहा कि, "इससे पहले कि आपकी आज्ञा का पालन ना करने का पाप मुझे लगे, मैं अपना पक्ष भी रखना चाहता हूं". शंकराचार्य की अनुमति से उन्होंने मना करने का कारण भी बताया कि कैसे डॉ हेडगेवार ने उन्हें जिस लक्ष्य की जिम्मेदारी सौंपी है, वह उसे जीवन भर पूरा करने का संकल्प ले चुके हैं.

# पाकिस्तान की हुई घनघोर बेइज्जती

## लंदन में गृहमंत्री मोहसिन नकवी को पुलिस ने रोका

राष्ट्रबाण

**लंदन.** पाकिस्तान के लोगों पर दुनिया बिलकुल भी भरोसा नहीं करती है फिर चाहे वो यहां का आम नागरिक हो या कोई बड़ा मंत्री. यह बात हवा में नहीं कही जा रही है इसका सबूत भी सामने आया. मामला कुछ ऐसा है कि पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी लंदन के दौरे पर थे. इस दौरान ब्रिटिश पुलिस ने नकवी की गाड़ी को रोका और कड़ी तलाशी ली.

**कब हुई घटना?**

जानकारी के मुताबिक यह घटना उस समय घटी जब मंत्री मोहसिन नकवी अधिकारियों से मिलने के लिए ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय पहुंचे थे. नकवी फरवरी 2024 से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी हैं.

### मोहसिन नकवी की चेकिंग

उस समय का वीडियो भी सामने आया है जब ब्रिटिश पुलिस ने पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी की कार को रोककर तलाशी ली. वीडियों में आप देख सकते हैं कि यह रूटीन चेकिंग नहीं थी. पुलिस ने हर दिशा से नकवी की कार को चेक किया. इस घटना ने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान की अंतर-राष्ट्रीय साख कैसी है दुनिया यहां के लोगों को किस नजर से देखती है.

# आदित्य ठाकरे के 22 विधायक वाले दावे पर CM फडणवीस का पलटवार

राष्ट्रबाण

**मुंबई.** महाराष्ट्र की राजनीति में सोमवार को तब हलचल मच गई जब शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने दावा किया कि महायुति सरकार के एक प्रमुख सहयोगी दल के 22 विधायक भाजपा में शामिल होने को तैयार हैं. ठाकरे के आरोप सीधे तौर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से जुड़े बताए गए, जिन पर उन्होंने इन विधायकों को संरक्षण, फंडिंग और राजनीतिक दिशा देने का आरोप लगाया.

आदित्य ठाकरे ने सवाल उठाया कि अगर सरकार इतनी मजबूत है तो राज्य में नेता विपक्ष की नियुक्ति में देरी क्यों की जा रही है. उन्होंने कहा कि 20-22 विधायक पिछले कुछ महीनों से भारी फंडिंग पा रहे हैं और मुख्यमंत्री के इशारों पर नाच रहे हैं. ठाकरे ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष के लिए भास्कर जाधव के नाम का विरोध आंतरिक राजनीति का हिस्सा है. शिंदे गुट ने भी आदित्य ठाकरे पर पलटवार किया. मंत्री संजय शिरसाट ने चुनौती दी कि ठाकरे पहले अपने 20 विधायकों को बचाएं. वहीं भाजपा विधायक निलेश राणे ने व्यंग्य करते हुए पूछा, "क्या आदित्य ने भविष्यवाणी का बिजनेस शुरू कर दिया है?"

**महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में सब ठीक?**

गौरतलब है कि यह बयानबाज़ी ऐसे समय हो रही है जब महाराष्ट्र में सत्ता संतुलन बेहद संवेदनशील है और कई क्षेत्रीय नेता चुनावी समीकरणों को लेकर सक्रिय हैं. महायुती के अंदर शिंदे और फडणवीस के नेतृत्व में स्थिरता का दावा किया जा रहा है, लेकिन ठाकरे के आरोपों ने गठबंधन की आंतरिक चुनौतियों को फिर से सार्वजनिक कर दिया है.आदित्य ठाकरे और फडणवीस के बीच यह नई तकरार सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के बदलते राजनीतिक परिदृश्य का संकेत है, जहां सत्ता में तैनाती, विपक्ष की रणनीति और दल-बदल की संभावनाएं लगातार चर्चा का विषय बनी हुई हैं. इसके साथ ही 22 विधायक वाले दावे से जुड़े विवाद ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या महाराष्ट्र की राजनीति में अभी भी अस्थिरता की परछाईं बनी हुई है या यह सिर्फ चुनावी प्रेशर बिल्डिंग और राजनीतिक शोर है?

## 'केवल कहने से कुछ नहीं होता'

### शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ही असली शिवसेना

फडणवीस ने साफ कहा कि एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना वास्तविक शिवसेना है और भाजपा की उसमें कोई दिलचस्पी नहीं कि उसके विधायक तोड़े जाएं. उन्होंने कहा, "हमारा मकसद शिवसेना को और महायुती को मजबूत करना है, न कि किसी सहयोगी दल को कमजोर करना."

### सीएम फडणवीस ने आरोपों को निराधार बताया

इन दावों के बाद राज्य की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए ठाकरे के आरोपों को पूर्णतः निराधार करार दिया. उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा, "अगर कोई कह दे कि हमारे साथ फलां के 22 विधायक हैं, तो कल कोई यह भी कह सकता है कि आदित्य के 20 विधायक भाजपा के साथ हैं. केवल कहने से कुछ नहीं होता."

# महाराष्ट्र में 'कैश बम' धमाका !

## उद्धव ठाकरे के नेता के वीडियो से मचा सियासी भूचाल

राष्ट्रबाण

**मुंबई.** महाराष्ट्र की राजनीति में उस वक्त हंगामा मच गया जब शिवसेना UBT के एक नेता अंबादास दानवे ने एक बड़ा 'कैश बम' फोड़ दिया. 9 दिसंबर की सुबह ही उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया. उसमें एक फ्रेम में एक विधायक दिखाई दे रहा है और दूसरे फ्रेम में नोटों की गड्डियां नजर आ रही हैं. इस वीडियो से एकदम खलबली मच गई है.

8 दिसंबर से शुरू हुए हिवाळी अधिवेशन के दूसरे ही दिन सुबह-सुबह उद्धव ठाकरे के नेता अंबादास दानवे ने बड़ा खुलासा कर दिया है. उनके आधिकारिक एक्स हैंडल से एक वीडियो शेयर किया गया. इसमें कुल तीन वीडियो शामिल हैं. इनमें से एक वीडियो में विधायक महेंद्र दळवी दिख रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में नोटों की गड्डियां दिखाई देती हैं. गौर करने वाली बात यह है कि अपनी पोस्ट में दानवे ने किसी का नाम सीधे नहीं लिया है. लेकिन उन्होंने सरकार से सवाल पूछे हैं, जिसके कारण राजनीतिक माहौल गरमाया है.

**क्या है दानवे का ट्वीट?**

अंबादास दानवे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, "इस सरकार के पास सिर्फ किसानों की कर्जमाफी के लिए पैसा नहीं है... बाकी सब ओके है! जनता को थोड़ा बताइए फडणवीस और शिंदे जी, ये विधायक कौन हैं और ये नोटों की गड्डियों के साथ क्या कर रहे हैं?"वहीं शिवसेना (यूबीटी) विधायक सचिन अहीर ने सरकार को घेरते हुए कहा कि, सरकार के पास किसानों की मदद के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन विधायकों और मंत्रियों के पास करोड़ों रुपये जमा हैं.

### महेंद्र दळवी की प्रतिक्रिया

इस पूरे विवाद पर विधायक महेंद्र दळवी ने जवाब देते हुए कहा: "अंबादास दानवे के पास कोई काम नहीं है. वे किसी के भी खिलाफ कुछ भी बोलते हैं. किसी को ब्लैकमेल करना उन्हें शोभा नहीं देता. ये वीडियो मेरा नहीं है. पूरी क्लिप दिखाएं. किसी को इस तरह ब्लैकमेल करना ठीक नहीं है. वे डिबेट में आएं, मैं तैयार हूं. वे इसकी सत्यता साबित करें. मैं कानूनी कार्रवाई करूंगा. इस कार्रवाई का मैं रिएक्शन दूंगा और शीतकालीन अधिवेशन में यह मुद्दा उठाऊंगा."

## फास्ट ट्रैक

### चॉकलेट का दिया लालच

राष्ट्रबाण

**नासिक.** नासिक जिले के मालेगांव के डोंगराले में 3 साल की बच्ची के साथ रेप और हत्या की घटना से राज्य में आक्रोश फैल गया था. घटना के कुछ ही दिनों बाद नासिक जिले के सतना में 75 साल के व्यक्ति ने 9 साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न किया. पुलिस ने उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है. यह बात सामने आ रही है कि नासिक जिले के ग्रामीण इलाकों में छोटी बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न की घटनाएं लगातार हो रही हैं. सतना में 75 साल के व्यक्ति ने 9 साल की बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न की घटना के बाद एक बार फिर आक्रोश की लहर फैल गई है. इस घटना से हड़कंप मच गया है. बच्ची को पैसे, चॉकलेट का लालच दिया इस घटना के बारे में मिली जानकारी के मुताबिक, नासिक जिले के सतना में 75 साल संदिग्ध नामदेव गुंजाल के 9 साल की नाबालिग बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न किए जाने की घटना के बाद तालुका में आक्रोश की लहर फैल गई है. घटना का पता चलते ही लोग सताना पुलिस स्टेशन पहुंच गए. नाबालिग लड़की पिछले छह महीने से टॉर्चर झेल रही थी. पुलिस घटना की जांच में जुटी शिकायत में कहा गया है कि आरोपी लड़की को एक जगह ले गया और पैसे और चॉकलेट का लालच देकर बार-बार टॉर्चर किया. इस बीच, पुलिस ने तुरंत आरोपी को हिरासत में ले लिया और उसके खिलाफ सताना पुलिस स्टेशन में POCSO और दूसरी धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है. गुस्साए लोगों ने मांग की है कि इस मामले में आरोपी को सख्त से सख्त सजा दी जाए, पुलिस घटना की जांच कर रही है.

### अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी ने डॉ. श्रीधर वेम्बू की उपस्थिति
# 7वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित

राष्ट्रबाण

**नागपूर.** अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी ने हाल ही में अपना 7वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित किया, जिसमें बैचलर ऑफ डिज़ाइन, बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर, मास्टर ऑफ डिज़ाइन, अनंत फेलोशिप इन सस्टेनेबिलिटी एंड बिल्ट एनवायरनमेंट, एमएससी इन सस्टेनेबिलिटी एंड बिल्ट एनवायरनमेंट और अनंत फेलोशिप इन क्लाइमेट एक्शन सहित कुल 299 छात्रों को उपाधियाँ प्रदान की गईं. इस समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित, ज़ोहो कॉरपोरेशन के चीफ़ साइंटिस्ट और सह-संस्थापक डॉ. श्रीधर वेम्बू थे. अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष श्री अजय पीरामल, प्रोवोस्ट डॉ. संजीव विद्यासागर तथा बोर्ड के सदस्य भी समारोह में उपस्थित थे. दीक्षांत संबोधन देते हुए डॉ. वेम्बू ने कहा, "अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी आकर मुझे अत्यंत आनंद हुआ. अनंत के छात्रों की रचनात्मकता और उद्देश्य-प्रधान डिज़ाइनों ने मुझे प्रभावित किया. यहाँ मैंने अद्भुत कार्य देखा, वह नवाचार जिसकी हमारे देश को आज अत्यंत आवश्यकता है. हम अक्सर अपने अतीत की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं, लेकिन बहुत कम ही हम इस बात पर ध्यान देते हैं कि हम वर्तमान में क्या निर्माण कर रहे हैं. हमें अपनी जीवन-सीमा से परे सोचकर भविष्य के लिए निर्माण करना चाहिए और अनंत अपने छात्रों को यही सिखा रहा है. अच्छा डिज़ाइन मन और आत्मा को ऊँचा उठाता है, और मैंने इस कैंपस में वही भावना जीवंत देखी है. सपने देखते रहिए, युवा बने रहिए, प्रासंगिक बने रहिए. जब आप अपना अहं छोड़कर किसी 'बड़े प्रभाव' की इच्छा छोड़ देते हैं, तब आप अक्सर अपना सबसे शक्तिशाली प्रभाव छोड़ते हैं. समस्या पर ध्यान केंद्रित करें, असाधारण कार्य स्वयं उत्पन्न होगा."

# लुका छिपी खेलते वक्त पानी की टंकी में गिरा 8 साल का मासूम

राष्ट्रबाण

**नालासोपारा:** महाराष्ट्र के नालासोपारा के पूर्व में टाकी पाड़ा इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना की खबर सामने आई है, यहां चार दिन से लापता आठ साल के मेहराज शेख का शव सोमवार सुबह एक इमारत की पानी की टंकी में मिला. इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है. दोस्तों के साथ लुका-छिपी खेलते समय वह पानी की टंकी में गिर गया, ऐसी प्राथमिक जानकारी पुलिस को मिली है. हालांकि, नालासोपारा पुलिस विभिन्न कोणों से इसकी जांच कर रही है. पुलिस ने बच्चे की मौत का कारण जानने के लिए जांच शुरू कर दी है. इलाके में सीसीटीवी फुटेज की जांच की.

## 4 दिन बाद मिला शव

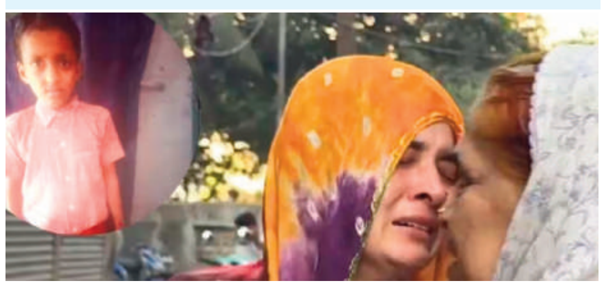

### पानी की टंकी से बदबू आने पर तलाशी ली गई

मिली जानकारी के मुताबिक, मेहराज शेख चार दिन पहले रहस्यमय तरीके से लापता हो गया था. परिवार के साथ-साथ नागरिकों ने भी इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया, लेकिन बच्चे का कोई पता नहीं चला. आखिरकार 4 दिसंबर को मेहराज की मां की शिकायत पर नालासोपारा पुलिस स्टेशन में मेहराज के अपहरण का मामला दर्ज किया गया. तलाशी अभियान के दौरान, सोमवार सुबह इमारत की ऊपरी मंजिल पर पानी की टंकी से बदबू आने पर तलाशी ली गई, तो उस टंकी में शव मिला.

# डॉ. हर्षदीप कांबले के जन्मदिन के मौके पर 100 बच्चों को फ्री कंप्यूटर ट्रेनिंग

राष्ट्रबाण

**यवतमाल.**महाराष्ट्र राज्य के सोशल जस्टिस डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी डॉ. हर्षदीप कांबले के जन्मदिन के मौके पर यवतमाल में एक अहम पहल की जा रही है. समता पर्व प्रतिष्ठान, साहित्य संस्कृत एकेडमी पुणे और एआई मल्टीपर्पस फाउंडेशन के साथ मिलकर जिले के 100 स्टूडेंट्स को गोद लेकर उन्हें फ्री कंप्यूटर ट्रेनिंग देने का फैसला किया गया है.

GCC-TBC कंप्यूटर ट्रेनिंग का खर्च लगभग 25 हजार रुपये है. हालांकि कई स्टूडेंट्स पैसे की दिक्कतों की वजह से यह ट्रेनिंग नहीं ले पा रहे हैं, लेकिन ऑर्गनाइजर ने बताया कि इन 100 स्टूडेंट्स का पूरा खर्च संबंधित इंस्टीट्यूशन उठाएंगे. इससे पहले भी डॉ. कांबले की प्रेरणा से सैकड़ों स्टूडेंट्स को पढ़ाई के लिए पैसे की मदद मिल चुकी है. खासकर आदिवासी, पारधी, कोलम, SC, ST, OBC और माइनॉरिटी ग्रुप के आर्थिक रूप से कमजोर स्टूडेंट्स को मिली मदद की वजह से कई स्टूडेंट्स अपने पैरों पर खड़े हो गए हैं. समता पर्व प्रतिष्ठान ने योग्य छात्रों से अपील की है कि वे इस पहल के लिए रजिस्टर करें, जो इस साल उनके जन्मदिन के मौके पर हो रही है, इसके लिए वे आचार्य कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर, यवतमाल से संपर्क करें.

# इंडिया मारुति सुज़ुकी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्रों में

राष्ट्रबाण

**मुंबई.** 08 दिसंबर, 2025: मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड (मारुति सुज़ुकी) ने 13 चार्ज पॉइंट ऑपरेटरों (CPOs) और एग्रीगेटरों के साथ सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है. मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, श्री हिसाशी ताकेउचि और सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग और सेल्स), श्री पार्थो बनर्जी और CPO के अन्य वरिष्ठ गणमान्य अधिकारी इस अवसर पर मौजूद थे.

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्री हिसाशी ताकेउचि ने कहा, "मारुति सुज़ुकी में, हम अपने ग्राहकों को सुखद ओनरशिप का अनुभव देने का प्रयास करते हैं ताकि कंपनी पर उनका भरोसा लम्बे समय तक बना रहे. आज, हम एक ऐतिहासिक कदम उठा रहे हैं, क्योंकि हम पूरी तैयारी के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं, ताकि EV चार्जिंग से जुड़ी चिंताओं को दूर किया जा सके और ग्राहक विश्वास को बढ़ावा मिले. हमने अपने सेल्स और सर्विस नेटवर्क के माध्यम से 1,100 से अधिक शहरों में फैले 2,000 से अधिक मारुति सुज़ुकी एक्सक्लूसिव चार्जिंग पॉइंट्स का एक मजबूत नेटवर्क स्थापित किया है. इसके अलावा, हमने देशभर में विशाल चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच उपलब्ध कराने के लिए 13 चार्ज पॉइंट ऑपरेटरों के साथ सहयोग किया है. सुज़ुकी की वैश्विक दृष्टिकोण के अनुरूप, हम कई EV पेश करने की योजना बना रहे हैं और इसे समर्थन देने के लिए हमारे डीलर और CPO पार्टनर्स के साथ हमारा लक्ष्य 2030 तक पूरे भारत में 1 लाख से अधिक चार्जिंग पॉइंट्स का नेटवर्क स्थापित करना है."

प्रमुख हाईवे पर भी नियमित अंतराल पर DC फास्ट चार्जर लगाए गए हैं, ताकि हमारे भविष्य के EV ग्राहकों को पूरे देश में बिना रुकावट सफर की आज़ादी मिल सके. ग्राहकों को और भी अच्छी सुविधा देने के लिए, हमने 1.5 लाख विशेष रूप से प्रशिक्षित EV वर्कफोर्स तैनात की है, जो हमारे ग्राहकों की हर आवश्यकता को पूरा करेगी. हमने देश के हर हिस्से में EV ओनरशिप के अनुभव को समर्थन देने के लिए आफ्टर-सेल्स आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु 1,100 शहरों में 1,500+ ईवी-रेडी (EV-ready) सर्विस वर्कशॉप्स भी सक्रिय कर दी हैं." श्री बनर्जी ने आगे कहा, "हम इस प्लेटफॉर्म की क्षमता को दिखाने के लिए एक अनोखी 'e drive' की शुरुआत कर रहे हैं, जो मारुति सुज़ुकी के व्यापक EV चार्जिंग नेटवर्क की वास्तविक दुनिया में प्रभावशीलता साबित करेगी. 'e drive' के जरिए हमारा लक्ष्य है यूजर का भरोसा बढ़ाना और तेजी से EV अपनाने की दिशा में काम करना, ताकि नेट-ज़ीरो के लिए देश के स्थिरता से जुड़े लक्ष्य को हासिल करने में योगदान दिया जा सके.

मारुति सुज़ुकी का 'e for me' EV चार्जिंग मोबाइल ऐप एक ही प्लेटफॉर्म पर पार्टनर-ऑपरेटेड चार्जिंग पॉइंट और मारुति सुज़ुकी के अपने EV चार्जिंग नेटवर्क का इस्तेमाल आसान बनाता है.

## एक भारत, एक EV प्लेटफ़ॉर्म

V इकोसिस्टम को पेश करते हुए मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग और सेल्स) श्री पार्थो बनर्जी ने कहा, "आज भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के नए दौर की शुरुआत है. मुझे यह कहते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मारुति सुज़ुकी पूरी तरह EV के लिए तैयार है और हमारा नया व्यापक प्लेटफॉर्म EV चार्जिंग ढांचे से जुड़ी प्रमुख चिंताओं का समाधान करता है. देश के सबसे बड़े डीलर नेटवर्क और हमारे चार्जिंग पार्टनर्स के नेटवर्क का लाभ उठाते हुए, हम भारत के 100 प्रमुख शहरों में हर महत्वपूर्ण स्थान पर औसतन 5–10 किलोमीटर की दूरी पर EV चार्जिंग पॉइंट उपलब्ध करा रहे हैं.

# बीड के सांगवी गांव में दहशत !

## जमीन विवाद को लेकर गुंडों ने मां-बेटे को बेरहमी से पीटा

राष्ट्रबाण

**बीड.** महाराष्ट्र के बीड जिले के केज तालुका में एक बार फिर दहशत फैलाने वाली मारपीट की घटना सामने आई है. सांगवी गांव में जमीन के मामूली विवाद को लेकर गांव के गुंडों ने एक महिला और उसके बेटे को बीच सड़क पर बुरी तरह पीटा. इस अमानवीय मारपीट का वीडियो कैमरे में कैद हो गया है और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. गंभीर रूप से घायल महिला का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसका परिवार दहशत में है. यह चौंकाने वाली घटना 5 दिसंबर को हुई.

**मामले की जांच कर रही है पुलिस:** बीड जिले में पिछले कुछ दिनों से मारपीट की घटनाएं बढ़ रही हैं और कानून-व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान लग गया है. विशेष रूप से, केज पुलिस स्टेशन की निष्क्रियता के कारण अपराधियों का मनोबल बढ़ने का आरोप स्थानीय लोगों ने लगाया है. घटना का वीडियो फिलहाल वायरल हो रहा है. सड़क के किनारे महिला को घसीटकर बेरहमी से पीटने का दृश्य देखकर इलाके में गुस्सा व्यक्त किया जा रहा है. केदार परिवार ने तत्काल आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है. पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच चल रही है, लेकिन ग्रामीणों और पीड़ितों द्वारा तत्काल और ठोस कदम उठाने की मांग की जा रही है. अन्यथा, ऐसी घटनाओं पर रोक नहीं लगेगी, ऐसी भावना व्यक्त की जा रही है.

### शिकायत दर्ज कराने से गुस्से थे आरोपी

इससे पहले भी आरोपियों के परेशान किए जाने पर पीड़ित महिला ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी. हालांकि, शिकायत दर्ज कराने के गुस्से में आरोपियों ने सड़क पर रोककर मां-बेटे को लोहे और लकड़ी की वस्तुओं से पीटा. ऐसी जानकारी पीड़िता ने दी. शिकायत क्यों की? ऐसा सवाल पूछते हुए फिर से अमानवीय मारपीट की गई.

### पुलिस की लापरवाही पर परिवार का आरोप

केदार परिवार ने इस मामले में पुलिस की लापरवाही पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं. इस मारपीट की आपबीती पीड़ित महिला ने बताई ,पुलिस ने सिर्फ शिकायत दर्ज की, लेकिन अगर आरोपियों पर कार्रवाई की जाती तो ऐसी घटना दोबारा नहीं होती. साथ ही जान का खतरा होने की बात कही है. उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकी मिल रही है और गांव में दहशत का माहौल है.

# गोंदिया शहर की एक विवाहित की गला घोटकर मार डालने का आरोप

राष्ट्रबाण

**गोंदिया.** ६ डिसेंबर को गणेश नगर निवासी सरिता पराग अग्रवाल की मौत हो गई मूतक डोंगरगड की निवासी थी, तथा उसका विवाह 2023 मे गोंदिया के पराग रमन अग्रवाल निवासी गणेश नगर से हुआ था, मूतक महिला के मौत के बाद दिनांक 7 डिसेंबर को गोंदिया शहर पोलीस स्टेशन मे लिखीत शिकायत करते हुए मूर्तीका विवाहितके भाई ने अपनी बहन के पती, सास, ननंद पर हत्या तथा दहेज का आरोप लगाते हुये शिकायत की है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता प्रदीप कुमार टिंगललाल गुप्ता (४४) ने बताया की उसकी बर्तन की दुकान है तथा व डोंगरगड तहसील का निवासी है. शिकायत करता ने बताया की उसकी बहन सरिता पराग रमन अग्रवाल उसकी छोटी बहन है और जून 2023 मे विवाह संपन्न हुआ था.

### भाई बोला

बहन के पति ने बताया सायलेंट अटॅक लेकिन देखा तो संदेह हो गया भाई परदीप गुप्ता ने बताया की दिनांक 6 /12 /2025 को दोपहर करीब 1: *0बंजे मेरे छोटे भाई आकाश गुप्ता के मोबाईल पर फोन आया और उसने मुझे बताया की पराग अगरवाल ने फोन किया था की सरिता को सायलेंट हार्टअटॅक आया है और उसकी मौत हो गई.

## अपराध | हमलों में बढ़ोतरी

# बाघ हमलों में पीड़ित परिजनों को मिलेगी सरकारी नौकरी?

राष्ट्रबाण

**मुंबई.** महाराष्ट्र में पिछले कई महीनों से तेंदुओं और बाघों के हमलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. राज्य के कई जिलों से आए दिन इंसानों और जानवरों पर हमले की खबरें सामने आ रही हैं. इससे न सिर्फ ग्रामीण इलाकों में भय का माहौल बन गया है, बल्कि लगातार जानें जाने से कई परिवार आर्थिक संकट में भी फंस गए हैं. इसी स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार अब एक बड़े फैसले पर गंभीरता से विचार कर रही है. तेंदुए या बाघ के हमले में मौत होने पर पीड़ित परिवार को वन विभाग में सरकारी नौकरी देने का प्रस्ताव.

**मृतक के परिजनों को मिले नौकरी:** वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार इस प्रस्ताव पर तेजी से काम कर रही है. कई मामलों में पीड़ित परिवार का अकेला कमाने वाला व्यक्ति ही तेंदुए या बाघ का शिकार बन जाता है. उसके बाद परिवार पर अचानक आर्थिक संकट टूट पड़ता है, बच्चों की पढ़ाई रुक जाती है, खेती-बाड़ी बिगड़ जाती है, घर का खर्च चलाना मुश्किल हो जाता है और कर्ज का बोझ बढ़ जाता है

ऐसे परिवारों की स्थिति को देखते हुए सरकार मानती है कि केवल आर्थिक मुआवजा काफी नहीं है. सरकारी नौकरी मिलने पर परिवार को स्थायी आर्थिक सुरक्षा मिल सकती है और भविष्य की मुश्किलें भी कम हो सकती हैं. वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि जल्द ही इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है.

**तेजी से बढ़ रही जंगली जानवरों की गतिविधियां:** पिछले कुछ समय से महाराष्ट्र के कई जिलों में तेंदुए और बाघों की संख्या और गतिविधियां बढ़ी हैं. जंगलों के आसपास बसे गांवों में लोग अब पहले की तरह सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे. जंगली जानवरों की बढ़ती मौजूदगी ने ग्रामीण जीवन को काफी प्रभावित किया है. इसी वजह से नौकरी वाला प्रस्ताव और भी जरूरी हो गया है. परभणी जिले के पाथरी तालुका के रेनाखली शिवार में पिछले हफ्ते से तेंदुए का लगातार घूमना स्थानीय लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गया है. धुले जिले के साक्री तालुका के दहिवेल और कोंडायबारी इलाके में तेंदुए के खुलेआम घूमने से लोगों की नींद उड़ गई है.

### तेंदुए को पकड़ने की मांग पर रास्ता रोको

अहिल्यानगर-कल्याण राजमार्ग पर किन्ही गांव के ग्रामीणों ने तेंदुए को पकड़ने की मांग को लेकर रास्ता रोको आंदोलन किया. एक हफ्ते पहले तेंदुए ने गांव की महिला भागुबाई खोदडे पर हमला कर उनकी जान ले ली थी. वन विभाग के धीमे रवैये से ग्रामीण नाराज थे. पुलिस ने प्रदर्शन रोकने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीण पीछे हटने को तैयार नहीं थे. लगातार हो रहे जानवरों के हमलों ने ग्रामीण इलाकों के लोगों को गंभीर चिंता में डाल दिया है. बाघ और तेंदुए के हमलों में बढ़ोतरी महाराष्ट्र के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है. गांवों में डर का माहौल है और कई परिवार अपने कमाने वाले सदस्य को खोकर टूट चुके हैं. ऐसे समय में सरकार द्वारा नौकरी देने पर विचार करना

# रिया करवाना चाहती हैं एग फ्रीजिंग

बॉलीवुड एक्टर रिया चक्रवर्ती अब पॉडकास्ट चला रही हैं और अपनी प्रोफेशनल लाइफ पर फोकस कर रही हैं. एक्ट्रेस ने पॉडकास्ट 'चैप्टर 2' के नए एपिसोड में अपनी पर्सनल लाइफ, शादी और बच्चों को लेकर अपने विचार बताएं हैं. गेस्ट हुमा कुरैशी से बात करते समय उन्होंने कहा कि वो 33 साल की उम्र में एग फ्रीजिंग करवाने के बारे में सोच रही हैं.

इसके लिए एक्ट्रेस ने हाल ही में एक गायनेकोलॉजिस्ट से बातचीत भी की है.अपने यूट्यूब चैनल पर हुमा कुरैशी के साथ बातचीत करते समय रिया चक्रवर्ती ने कहा, मैं 33 साल की हूं और हाल ही में मैं एग फ्रीजिंग के लिए एक गायनेकोलॉजिस्ट के पास गई थी. मैं ऐसा करने के बारे में सोच रही हूं. एग फ्रिजिंग महिलाओं की फर्टिलिटी को फ्यूचर के लिए सेफ करने की एक प्रक्रिया है. आज के समय में कई महिलाएं इसे अपना रही हैं.अपने इस पॉडकास्ट में रिया ने कहा कि वो इस समय उम्र के ऐसे दौर में हैं, जहां बॉडी क्लॉक आपको बता रही है कि बच्चे पैदा करने की ये सही उम्र है. लेकिन मन कह रहा है कि आपका पहले से ही एक बच्चा है, आपका ब्रांड, बिजनेस और आपको इन बच्चों पर ध्यान देना है. रिया ने एग फ्रीजिंग के बारे में खुलकर बात की और बताया कि वो इस प्रक्रिया को किसी रोमांटिक नजरिए से नहीं देखती हैं. ये फिजिकल तौर पर मुश्किल हो सकती है, लेकिन उनका मानना है कि महिलाओं को इस पर विचार करना चाहिए क्योंकि ये विकल्प भी आज के समय में उपलब्ध है.

## रेखा ने एयरपोर्ट पर सेल्फी लेने आई फैन को मारा धक्का

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रेखा आमतौर पर अपनी मीठी मुस्कान और फैंस के साथ विनम्र बर्ताव के लिए जानी जाती हैं। लेकिन इस बार एयरपोर्ट पर उनके साथ कुछ ऐसा हुआ जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। 8 दिसंबर, सोमवार को रेखा मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। जैसे ही वह टर्मिनल से बाहर निकलीं, पैपराज़ी को मुस्कुराकर पोज देती हुईं आगे बढ़ने लगीं। उसी दौरान एक महिला फैन फोन लेकर उनके पास पहुंची और सेल्फी लेने की कोशिश करने लगी। रेखा ने तुरंत हाथ बढ़ाकर उसे रुकने का इशारा किया और सामने से थोड़ा पीछे कर दिया।

# अरबी में भी रिलीज़ होगी रामायण

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे भारी-भरकम बजट वाली फिल्म होगी. इसके प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने खुद बताया था कि जब फिल्म के दोनों पार्ट पूरी तरह से तैयार हो जाएंगे, तब तक मेकर्स के इस पर करीब 4000 करोड़ रुपये खर्च हो चुके होंगे. अब इतने बड़े बजट की फिल्म है तो इसे दुनिया के हर हिस्से में रिलीज़ भी करना पड़ेगा, ताकि ये हर जगह से पैसा छाप सके.

इसके लिए मेकर्स ने तगड़ी तैयारी कर ली है. रामायण के मेकर्स ने पहले ही बताया था कि इस फिल्म को वो 45 से 50 भाषाओं में दुनियाभर में रिलीज़ करने का प्लान है. किसी भारतीय फिल्म के लिए ये भी एक रिकॉर्ड ही होगा, क्योंकि इतनी भाषाओं में आज तक कोई भी इंडियन फिल्म पर्दे पर रिलीज़ नहीं की गई है.रणबीर कपूर, यश, सई पल्लवी और सनी देओल स्टारर 'रामायण' के मेकर्स ने इसका इंट्रोडक्शन वीडियो करीब पांच महीने पहले शेयर किया था. वो इंट्रो अंग्रेज़ी में था. अब मेकर्स ने फिल्म का अरबी इंट्रोडक्शन वीडियो शेयर किया है. वर्ल्ड ऑफ रामायण यूट्यूब चैनल पर इस इंट्रो वीडियो को मंगलवार को अपलोड किया गया. हालांकि इंट्रो वीडियो में कोई आवाजा सुनाई नहीं दी थी, इसलिए इस वीडियो में भी सिर्फ टेक्स्ट ही है. पर सारी बातें अरबी भाषा में लिखी गई हैं.फिल्म को मेकर्स हिंदी के अलावा, बंगाली, मराठी, तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़, अंग्रेज़ी, चीनी, जापानी, स्पेनिश समेत करीब 45-50 भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा. इसके लिए मेकर्स AI का इस्तेमाल करेंगे, ताकि ऐसा लगे कि कलाकार वही भाषा बोल रहा है. ये दावा भी खुद नमित मल्होत्रा ने ही किया था.फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, सई पल्लवी सीता, सनी देओल हनुमान, रवि दुबे लक्ष्मण, अरुण गोविल दशरथ, कैकेयी लारा दत्ता, जटायु अमिताभ बच्चन (आवाज), कुणाल कपूर इंद्र देव, शीबा चड्ढा मंथरा और यश रावण बनेंगे. इनके अलावा भी कई अहम किरदार फिल्म का हिस्सा बने हैं. फिल्म में हंस जिमर के साथ एआर रहमान ने संगीत दिया है.

# कलाकारों ने बताए ठंड में त्वचा को हाइड्रेटेड, निखरी और कैमरा-रेडी रखने के उनके एक्सपर्ट टिप्स

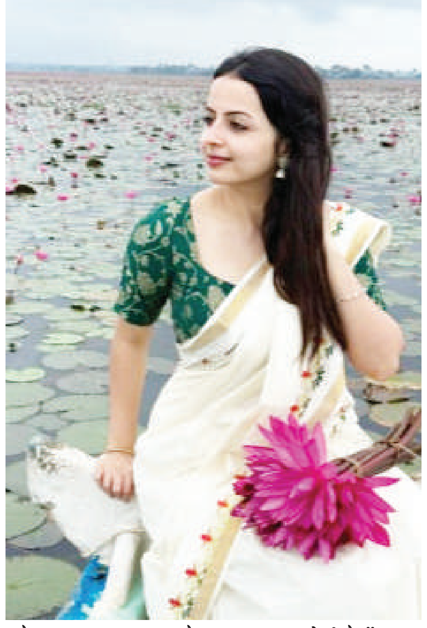

जैसे-जैसे सर्दी बढ़ती है, ठंडी हवा और आरामदायक शामों के साथ एक आम समस्या भी सामने आती है—सूखी, पपड़ीदार और थकी हुई त्वचा। शूटिंग के लंबे घंटे, भारी मेकअप, और बाहर-अंदर के बदलते तापमान के कारण टीवी कलाकारों के लिए स्किनकेयर और भी ज़रूरी हो जाता है, क्योंकि उनकी रोज़मर्रा की दिनचर्या कैमरा-रेडी, हेल्दी स्किन पर निर्भर करती है। इस सीज़न में, सोनी सब के प्रिय कलाकार दीक्षा जोशी, अक्षया हिंदालकर, श्रेनु पारिख बता रहे हैं वे कौन-से सावधानीपूर्ण रूटीन, आसान आदतें और सुकून देने वाली विंटर स्किनकेयर टिप्स अपनाते हैं, जो उन्हें ठंड में भी ग्लो बनाए रखने में मदद करती हैं। पुष्पा इम्पॉसिबल में दीप्ति की भूमिका निभा रही दीक्षा जोशी ने बताया, "जब आप रोज़ शूट करते हैं, तो मौसम और तनाव का असर सबसे पहले स्किन पर दिखता है। सर्दियों में मैं स्किनकेयर को एक छोटी-सी रिचुअल की तरह लेती हूँ, न कि किसी जल्दी में किए गए काम की तरह। मैं एक जेंटल क्लेंजर से शुरुआत करती हूँ, फिर हाइड्रेटिंग सीरम लगाती हूँ और उसके बाद एक रिच मॉइस्चराइज़र से सब कुछ सील कर देती हूँ ताकि मेकअप के नीचे त्वचा टाइट न लगे। मैं हमेशा अपनी वैनिटी में फेशियल मिस्ट और लिप बाम रखती हूँ, क्योंकि स्टूडियो लाइट्स और एसी इस मौसम में त्वचा को बहुत ड्राई कर देते हैं। छुट्टी के दिनों में मुझे शहद और दही का घर का बना मास्क लगाना पसंद है—यह मेरी त्वचा को एक साथ ब्रेक और प्यार दोनों देता है।" पुष्पा इम्पॉसिबल में राशि की भूमिका निभा रही अक्षया हिंदालकर बताती हैं, "लोग सोचते हैं कि स्किनकेयर का मतलबमहंगे प्रोडक्ट्स है, लेकिन मेरे लिए विंटर स्किनकेयर अनुशासन से शुरू होता है। मैं दिनभर गुनगुना पानी पीती हूँ, ैसमी फल खाती हूँ और शूट खत्म होते ही मेकअप उतार देती हूँ, चाहे रात में कितनी भी देर हो जाए। ठंड में मैं क्रीमीक्लेंज़र और थोड़ा मोटा मॉइस्चराइज़र इस्तेमाल करती हूँ अन्यथा मेरी त्वचा खिंची-खिंची लगती है। और मैं हमेशा सनस्क्रीन लगाती हूँ, भले ही ज्यादातर शूट इनडोर हो—लाइट्स और धूप दोनों का असर हमारी सोच से ज़्यादा होता है। मेरी पसंदीदा विंटर रिचुअल है—रात को कुछ बूंदें फेशियल ऑयल की लगाकर चेहरे की मसाज करना; इससे दिनभर की थकान उतर जाती है और सुबह त्वचा नरम और शांत महसूस होती है।" गाथा शिव परिवार की गणेश कार्तिकेय में देवी पार्वती की भूमिका निभा रही श्रेणु पारिख बताती हैं, "एक दिव्य किरदार निभाने में घंटों भारी कॉस्ट्यूम और मेकअप में रहना पड़ता है, इसलिए खासकर सर्दियों में स्किनकेयर मेरे लिए नॉन-नेगोशिएबल है। शूट से पहले मैं हाइड्रेटिंग टोनर और बैरियर-स्ट्रेंथनिंग मॉइस्चराइज़र से स्किन प्रेप करती हूँ ताकि लेयर्स के नीचे त्वचा पैची या इरिटेटेड न हो। पैकअप के बाद मैं डबल-क्लेंजिंग रूटीन फॉलो करती हूँ ताकि हर तरह का मेकअप और प्रदूषण पूरी तरह हट जाए। मैं पारंपरिक देखभाल में भी विश्वास रखती हूँ—वीकेंड पर बेसन और कुछ सुकून देने वाली चीज़ों से बना उबटन लगाती हूँ, जो हल्का एक्सफोलिएशन करते हुए वह नैचुरल ग्लो वापस लाता है जिसे तेज लाइट्स कभी-कभी फीका कर देती हैं। मेरे लिए सर्दियां मतलब—धीरे चलो, अपनी त्वचा की ज़रूरतें सुनो, और छोटे-छोटे लेकिन नियमित प्रयास करो।" देखें गाथा शिव परिवार की गणेश कार्तिकेय, पुष्पा इम्पॉसिबल, सोमवार से शनिवार, सिर्फ सोनी सब पर.

# अल्पेनलिबे का नया कैंपेन अप्रिय पलों को मीठी बातों में बदलता है – 'अल्पेनलिबे खोलो, मीठा बोलो'

: परफेट्टी वैन मेले की अल्पेनलिबे ने अपना नया विज्ञापन "अल्पेनलिबे खोलो, मीठा बोलो" जारी किया है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे अल्पेनलिबे का गाढ़ा, कैरामेल स्वाद छोटे-छोटे टकराव के पलों को भी नरम बना देता है और लोगों को एक-दूसरे के करीब लाता है। कहानी के केंद्र में अल्पेनलिबे का खास मीठा स्वाद रखा गया है, जो यह सरल संदेश देता है कि जल्दबाजी में कहे गए शब्द रिश्तों में तनाव ला सकते हैं। लेकिन अल्पेनलिबे की मिठास ऐसे पलों को हल्का करके मनमुटाव दूर करने में मदद करती है। नए टीवीसी की कहानी एक बच्चे के जन्मदिन समारोह में बनाई गई है, जहाँ एक मेहमान जल्दबाज़ी में की गई अपनी एक बात से मुश्किल में फँस जाता है। उसी समय अल्पेनलिबे कैंडी मदद के लिए आगे आती है, और जैसे ही वह मेहमान इसका गाढ़ा, कैरामेल स्वाद चखता है, उसकी कड़ी बातें नरम होकर प्यारे शब्दों में बदल जाती हैं।फिल्म यह दर्शाती है कि अल्पेनलिबे सही समय पर कैसे माहौल बदल सकती है, कड़वे शब्दों को मीठा बनाकर नाज़ुक स्थितियों को आसानी से संभालने में मदद करती है।कैम्पेन में अल्पेन-लिबे के गाढ़े, कैरामेल स्वाद को मुख्य रखा गया है, जो दिखाता है कि यह कैसे बातचीत को नरम बना सकता है और तनाव भरी स्थितियों का माहौल बदल सकता है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में, जहाँ छोटी-छोटी बातें भी झगड़े का कारण बन जाती हैं, यह संदेश देता है कि बाँटना और प्यार से बोलना कितना ज़रूरी है। यह बात आज भी उतनी ही मायने रखती है और आगे भी लोगों को मतभेद सुलझाने में मदद करती रहेगी। लॉन्च पर बात करते हुए परफेट्टी वैन मेले इंडिया के मार्केटिंग डायरेक्टर, गुंजन खेतान ने कहा, "अल्पेनलिबे हमेशा से मिठास फैलाने के लिए जाना जाता है, और अब 'अल्पेनलिबे खोलो, मीठा बोलो' के साथ हम उसी सोच को लोगों की कड़वाहट भरी प्रतिक्रियाओं तक ले जा रहे हैं। अक्सर बातचीत जल्दी-जल्दी, औपचारिक या तनावभरी हो जाती है, लेकिन हमें विश्वास है कि थोड़ी-सी मिठास उन्हें बदल सकती है। अपने गाढ़े कैरामेल स्वाद के अलावा, अल्पेनलिबे ऐसे छोटे लेकिन असरदार बदलावों का प्रतीक है, जो जिंदगी को थोड़ा और मीठा बना देते हैं।" यह कैम्पेन मैककैन वर्ल्डग्रुप इंडिया ने तैयार किया है और इसका निर्देशन अमित शर्मा ने किया है। इस नए कैम्पेन के टीवी, डिजिटल और सोशल मीडिया पर चलने के साथ, अल्पेनलिबे देशभर के उपभोक्ताओं से अपना जुड़ाव और मजबूत कर रहा है। 1995 में लॉन्च होने के बाद से अल्पेनलिबे हर उम्र के लोगों का पसंदीदा ब्रांड रहा है। आज भी यह अपने गाढ़े कैरामेल स्वाद से लोगों को खुश करता है और यह संदेश देता है कि मिठास कहीं भी गर्माहट और अपनापन ला सकती है।

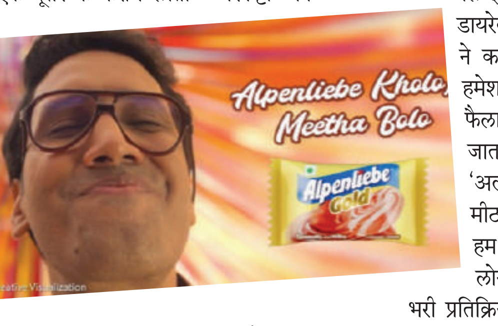


# अजय की बड़ी फिल्म पोस्टपोन

अजय देवगन बड़ी वापसी की तैयारी कर चुके हैं. हर साल कम से कम 3-4 फिल्में रिलीज कर ही देते हैं. इस वक्त एक्टर अगले साल यानी 2026 में आने वाली फिल्मों पर काम निपटा रहे हैं. जिसमें से कुछ का काम कंप्लीट भी किया जा चुका है. इस साल 'आजाद' से शुरुआत की थी, जो फ्लॉप रही. जबकि, 'रेड 2' हिट, 'सन ऑफ सरदार 2' फ्लॉप और 'दे दे प्यार दे 2' भी हिट लिस्ट में आ गई. पर अगले साल के लिए वो भी एक तारीख पर रुमाल रखकर बैठे थे. उनकी बड़ी फिल्म 'धमाल 4' अब पोस्टपोन की चुकी है.हर साल न जाने कितनी ही फिल्मों को रिलीज किया जाता है, वो भी न जाने कितनी ही बार. अजय देवगन भी अगले साल की सबसे बिजी विंडो में ही अपनी फिल्म 'धमाल 4' को लाने का मन बना चुके थे. पर जैसे ही कुछ बड़ी फिल्मों ने भी उसी वक्त फिल्म रिलीज करने की प्लानिंग की, तो फिर अजय देवगन को अपना फैसला बदलना पड़ा. अब यह फैसला फिलहाल के लिए तो ठीक ही लग रहा है. नुकसान से बचने का तरीका है, पर किस डर के चलते उन्होंने यह फैसला लिया है, जान लीजिए. कुछ वक्त पहले ही अजय देवगन ने 'धमाल 4' को ईद पर रिलीज करने का ऐलान किया था. पर हाल ही में रणवीर सिंह की 'धुरंधर' रिलीज हुई. और जियो स्टूडियोज वालों ने 19 मार्च, 2026 में ही 'धुरंधर 2' लाने का अनाउंसमेंट कर दिया है. इसी दिन यश भी 'टॉक्सिक' लेकर आ रहे हैं. अब बॉक्स ऑफिस पर नुकसान से बचने के लिए एक्टर ने बड़ा कदम उठा लिया है. हाल ही में एक नई रिपोर्ट से पता लगा कि अजय देवगन और उनकी टीम ईद 2026 के विंडो से पीछे हट गए हैं. जिसके लिए मेकर्स के बीच कई राउंड की बातचीत भी हुई है.

# कार्तिक आर्यन–जॉनी डेप की सेल्फी ने मचाई धूम

कार्तिक आर्यन अपनी बहन की शादी और फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी को लेकर पिछले कुछ दिनों से चर्चाओं में बने हुए हैं. हाल में एक्टर रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में शामिल हुए. ये पश्चिमी

सऊदी अरब के जेद्दाह में आयोजित किया जाता है. इस फिल्म फेस्टिवल में दुनियाभर के सितारे पहुंचे हैं. इस साल कार्तिक आर्यन भी इसका हिस्सा बने. उन्होंने रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं.एक पोस्ट में कार्तिक हॉलीवुड सुपरस्टार और ग्लोबल एक्टर जॉनी डेप के साथ नजर आ रहे हैं. जॉनी डेप एक फेमस अमेरिकी एक्टर, म्यूजिशियन और फिल्म निर्माता हैं, जो अपने अनोखे रोल के लिए जाने जाते हैं. खासकर 'पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन' सीरीज में कैप्टन जैक स्पैरो के किरदार ने खूब शोहरत दी.कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम पर जॉनी डेप के साथ फोटो शेयर की है, जिसमें जॉनी, कार्तिक के कंधे पर हाथ रखे हुए नजर आ रहे हैं. दोनों के चेहरे पर स्माइल है. कैप्शन में कार्तिक ने "पाइरेट्स ऑफ द रेड सी जैक स्पैरो x रूह बाबा" लिखा है. इन दोनों की मुलाकात सऊदी अरब के जेद्दाह में ही हुई है. दोनों की ये तस्वीर इंटरनेट पर आते ही वायरल हो गई है. कार्तिक के फैंस जॉनी के साथ उन्हें देखकर फूले नहीं समा रहे हैं.कार्तिक ने इस फिल्म फेस्टिवल की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिसमें उन्होंने डार्क ब्लू कलर की पैंट, लाइट कलर में लाइनिंग प्रिंट शर्ट और बेज कलर का कोट वियर किया है. तस्वीरों में वो बहुत ही हैंडसम लग रहे हैं. बॉलीवुड से ऐश्वर्या राय और कृति सैनन भी इस साल रेड सी फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनी हैं.

# सोनी सब के 'इत्ती सी खुशी' में अन्विता की शादी की रात शो ने लिया

## चौंकाने वाला मोड़ जब हेतल का छिपा सच हुआ उजागर

सोनी सब का शो 'इत्ती सी खुशी' अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) की दिल छू लेने वाली यात्रा दिखाती है, जिन्होंने हमेशा अपने पिता सुहास (वरुण बडोला) और भाई-बहनों के लिए मजबूती से खड़े रहना सीखा है। उसकी जिंदगी तब जटिल मोड़ लेती है जब विराट (रजत वर्मा) — वही शख्स जिसने सगाई के दिन उसे छोड़ दिया था — लौटकर एक और मौका मांगता है, जबकि अन्विता स्पष्ट रूप से कहती है कि वह उस पर दोबारा भरोसा नहीं कर सकती। जैसे ही वह संजय (ऋषि सक्सेना) के साथ आगे बढ़ती है, जिसके छिपे हुए मकसद नए संकट खड़े करते हैं, अन्विता को पुराने घावों और एक अनिश्चित भविष्य के बीच रास्ता निकालना पड़ता है। आने वाले एपिसोड में, अन्विता की शादी की पहली रात तब बिखर जाती है, जब उसे अपनी मां हेतल (नेहा एसके मेहता) के बारे में छिपे हुए कई सच का पता चलता है। वह महिला जिसने एक समय अपने बच्चों को छोड़ दिया था, प्यार से लौटकर नहीं आई थी, बल्कि उसके पीछे एक और मकसद था। अन्विता को पता चलता है कि हेतल चुपके से अपने ससुराल में संजय की सुरक्षा में रह रही थी ताकि बच्चों को गोद लेने की प्रक्रिया सुचारू रूप से आगे बढ़ सके। हेतल का अस्थिर व्यवहार भावनात्मक गर्मजोशी से लेकर परेशानी तक अचानक बदलता है, और एक मोड़ पर वह अचानक बेहोश हो जाती है। क्लिनिक में अन्विता को बताया जाता है कि हेतल की मानसिक स्थिति अस्थिर है और उस पर सावधानी से नजर रखने की जरूरत है, जिससे अन्विता को यह पता चलता है कि उसकी माँ की वापसी उसकी सोच से कहीं अधिक जटिल है और यह ठीक उस समय उसे भावनात्मक रूप से घेर लेती है जब वह अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करना चाह रही थी। पर जब ये सारे सच उजागर होते हैं, तो एक सवाल सामने आ जाता है: क्या अन्विता की नई शुरुआत इस तूफान में टिक पाएगी, या उसका अतीत उसे फिर से नीचे खींच लेगा? अपने इस साल के जन्मदिन के बारे में बात करते हुए सुम्बुल ने कहा, "यह सिक्वेंस अन्विता के लिए एक मोड़ है। वह अपनी जिंदगी के इस नए चरण को गले लगाने की बहुत कोशिश कर रही है, लेकिन उसका अतीत बार-बार ऐसे तरीके से उभरता है जिस पर वह नियंत्रण नहीं रख पाती। यह जानना कि उनकी माँ अपने ससुराल में छिपी हुई थी, उनके व्यवहार के पीछे की सच्चाई समझना, और फिर उन्हें गिरते हुए देखना — यह उसके लिए बहुत भारी है। इस भय, जिम्मेदारी और भावनात्मक टकराव के पल में अन्विता को निभाना मेरे लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। मुझे लगता है दर्शक सच में उसकी पीड़ा और उसने जो कुछ झेला है, महसूस करेंगे।" इत्ती सी खुशी देखने के लिए जुड़िए — हर सोमवार से शनिवार, रात 9 बजे, केवल सोनी सब पर

# सोनी सब के कलाकारों ने सर्दियों के दौरान बालों की समस्याओं से निपटने के लिए अपने पसंदीदा हेयरकेयर रूटीन साझा किए

जैसे ही सर्दी शुरू होती है, ठंडी हवा और आरामदायक शाम के साथ एक ऐसी चुनौती आती है जिससे हर कोई जूझता है - रूखे, घुंघराले और नमी रहित बाल। टीवी कलाकारों के लिए, जो लगातार आउटडोर शूटिंग, तेज़ रोशनी और बदलते तापमान में काम करते हैं, अपने बालों के स्वास्थ्य को बनाए रखना और भी जरूरी हो जाता है। इस मौसम में सोनी सब के प्यारे कलाकार अपनी जागरूक आदतों, सरल दिनचर्याओं और पौष्टिक विंटर हेयरकेयर रुटीन को साझा कर रहे हैं जो उन्हें अपनी लटों की सुरक्षा करने और ठंड के दौरान कैमरे के लिए तैयार रहने में मदद करती हैं।'पुष्पा इम्पॉसिबल' में जुगल की भूमिका निभा रहे अंशुल त्रिवेदी ने कहा, "सर्दियां वह मौसम है जब मेरे बाल अतिरिक्त देखभाल की मांग करते हैं। लगातार शूटिंग और यात्रा के साथ, मेरी स्कैल्प रूखी हो जाती है, इसलिए मैं अपने बालों में नियमित रूप से तेल लगाना और एक माइल्ड शैम्पू का उपयोग करना सुनिश्चित करता हूँ। एक अच्छी गरम तेल मॉलिश बालों और दिमाग दोनों के लिए थेरेपी की तरह काम करती है। मैं सर्दियों के दौरान बहुत अधिक स्टाइलिंग उत्पादों का उपयोग करने से भी बचता हूँ; इसे सरल रखना हमेशा मदद करता है।" 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में मधुमिता की भूमिका निभा रहीं सेजल शाह ने बताया, "ठंडा मौसम बालों को बहुत जल्दी बेजान महसूस करा सकता है, इसलिए मैं पोषण पर ध्यान केंद्रित करती हूँ। डीप कंडीशनिंग सर्दियों में मेरी सबसे

अच्छी दोस्त बन जाती है। जब भी मुझे छुट्टी का दिन मिलता है, मैं एलोवेरा और दही का होममेड मास्क भी लगाती हूँ। यह नमी को खूबसूरती से रोके रखता है। मेरा मानना है कि स्वस्थ बाल अंदर से शुरू होते हैं, इसलिए मैं ठंड में प्यास न लगने पर भी खूब पानी पीती हूँ।" 'गाथा शिव परिवार की: गणेश कार्तिकेय' में देवी पार्वती की भूमिका निभा रहीं श्रेनु पारिख ने कहा, "पार्वती के रूप में मैं जो भारी विग और गहने पहनती हूँ, उसके कारण मेरे बालों को विशेष सर्दियों की देखभाल की आवश्यकता होती है। मैं अपनी स्कैल्प को शांत और हाइड्रेटेड रखने के लिए गर्म नारियल तेल की मॉलिश पर भरोसा करती हूँ। धोने के बाद एक अच्छा सीरम भी घुंघरालेपन को नियंत्रित करने में मदद करता है, जो सर्दियों में दोगुना हो जाता है। मेरा सरल नियम है निरंतरता — यहां तक कि छोटे साप्ताहिक रूटीन भी मेरे बालों को मुलायम और मजबूत रखने में बड़ा बदलाव लाते हैं।" 'इत्ती सी ख़ुशी' में हेतल की भूमिका निभा रहीं नेहा एसके मेहता ने कहा, "सर्दियां प्यारी हैं, लेकिन यह निश्चित रूप से बालों के लिए उतनी अच्छी नहीं है! मैं इस मौसम के दौरान अधिक समृद्ध, अधिक हाइड्रेटिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना सुनिश्चित करती हूँ। एक साप्ताहिक हॉट ऑयल चम्पी और एक पौष्टिक हेयर मास्क मुझे रूखेपन को संभालने में मदद करते हैं। मैं बहुत गर्म पानी से अपने बाल धोने से भी बचती हूँ क्योंकि यह प्राकृतिक तेलों को छीन लेता है। छोटे जागरूक कदम ठंडे महीनों में बालों को स्वस्थ रखने में बहुत काम आते हैं।" देखिए गाथा शिव परिवार की: गणेश कार्तिकेय, इत्ती सी खुशी और पुष्पा इम्पॉसिबल हर सोमवार से शनिवार तक सिर्फ सोनी सब पर.

## फाइनल इलेक्शन लिस्ट और आंकड़ों में अंतर

### अखिल धबार्डे का आरोप

**हिंगणघाट.** हिंगणघाट नगर परिषद ने 31-10-2025 को चुनाव से पहले फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश की थी, जिसमें वार्ड नंबर 06 के कुल वोटरों की संख्या 4382 थी. जबकि, 2-12-2025 को वोटिंग के बाद एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा पब्लिश की गई लिस्ट में कुल वोटरों की संख्या 4400 है. इस गलती के कारण जनता में कन्फ्यूजन पैदा हुआ है और चुनाव प्रक्रिया को लेकर शक पैदा हुआ है, इसलिए एकता प्रतिष्ठान प्रमुख अखिल धबार्डे ने सब-डिविजनल ऑफिसर को दिए बयान में मांग की है कि इस गलती को जल्द से जल्द ठीक किया जाए और रिवाइज्ड (PDF) लिस्ट को फिर से पब्लिश किया जाए. इस बयान के तुरंत बाद इलेक्शन ऑफिसर ने जांच के आदेश दिए और समस्या को हल करने के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया. पता चला कि N.P. एडमिनिस्ट्रेशन की तरफ से जारी लिस्ट में आंकड़े वही हैं.

## नर्स पर यौन उत्पीड़न मामला: चिकित्साधिकारी के खिलाफ Zero FIR दर्ज

# शारीरिक संबंध की मांग से त्रस्त होकर संविदा सेविका ने किया आत्महत्या का प्रयास

### स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

राष्ट्रबाण

**गडचिरोली.** जिले के मुलचेरा क्षेत्र में एक संविदा महिला स्वास्थ्य सेविका (C-ANM) ने तालुका चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद म्हशाखेत्री (आयु 50) द्वारा पिछले दो वर्षों से किए जा रहे यौन उत्पीड़न से परेशान होकर 6 दिसंबर 2025 को ज़हर पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया. इस घटना से स्वास्थ्य विभाग और संविदा कर्मचारियों में भारी आक्रोश फैल गया है. घटना के बाद सेविका को तुरंत ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया. प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला सामान्य अस्पताल, गडचिरोली में स्थानांतरित किया गया. वर्तमान में उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है.

**वेतन वृद्धि का लालच दिखाकर दो वर्षों से यौन मांग – पति का गंभीर आरोप :** पीड़ित नर्स के पति ने पुलिस को बताया, "डॉ. म्हशाखेत्री वेतनवृद्धि कराने का लालच देकर पिछले दो वर्षों से मेरी पत्नी से शारीरिक संबंध बनाने की मांग कर रहे थे और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे. लगातार दबाव के कारण वह गंभीर तनाव में थी." घटना वाले दिन भी वह रोज़ की तरह ड्यूटी करके घर लौटी, लेकिन बहुत तनावग्रस्त दिखाई दे रही थी. शाम को पति की झपकी लगते ही उसने जहरीला पदार्थ पी लिया. इस गंभीर मामले में 8 दिसंबर 2025 को गडचिरोली पुलिस स्टेशन में Zero FIR दर्ज की गई है. मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 75(2) और 78(2) के तहत दर्ज किया गया. आगे की जांच मुलचेरा पुलिस कर रही है. (पुलिस स्टेशन के अंतर्गत यह जानकारी प्राप्त हुई कि Zero FIR गडचिरोली पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है!)

### स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

इसी अधिकारी की लापरवाही के कारण पाँच महीने पहले मुलचेरा तालुके में पाँच डेंगू मरीजों की मृत्यु होने की चर्चा भी थी, लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों के संरक्षण के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई—ऐसा स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों का कहना है. इस नए मामले के बाद जिले में संविदा कर्मचारियों की सुरक्षा का मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है.

### जिला प्रशासन मौके पर; शासन को विस्तृत रिपोर्ट भेजी जाएगी

घटना की जानकारी मिलते ही जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुहास गाडे और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रताप शिंदे ने 7 दिसंबर को अस्पताल पहुंचकर पीड़िता के पति से बातचीत की. सीईओ सुहास गाडे ने बताया, "इलाज चल रहा होने के कारण पीड़िता से बात नहीं हो सकी. पति ने संदेश और चैटिंग की जानकारी दी है. शासन को विस्तृत रिपोर्ट भेजी जाएगी."

## वर्धा जिला परिषद एम्प्लॉइज को-ऑप बैंक समेत 2 दुकानों के शटर तोड़कर चोरी का प्रयास

### पवन हार्डवेयर से 15 हजार कैश लूटे

राष्ट्रबाण

**समुद्रपुर.** 9 दिसंबर की सुबह शहर के डायमंड कॉम्प्लेक्स में मौजूद वर्धा जिला परिषद एम्प्लॉइज को-ऑपरेटिव बैंक और दो दूसरी दुकानों के शटर तोड़कर चोरी की कोशिश से इलाके में हड़कंप मच गया. सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. मिली जानकारी के मुताबिक, डायमंड कॉम्प्लेक्स में कई दुकानें और तीन बैंक हैं. इनमें से चोरों ने कॉम्प्लेक्स के मेन हिस्से में मौजूद वर्धा जिला परिषद एम्प्लॉइज को-ऑप बैंक और दो दूसरी दुकानों के शटर तोड़ दिए. चोर बैंक में लगी सेफ नहीं तोड़ पाए, जिससे सेफ में रखे 5 लाख 62 हजार रुपये बच गए. पास में मौजूद वामन फिटिंग्स की पवन हार्डवेयर दुकान के काउंटर पर रखे 15,000 रुपये कैश चोरी हो गए. बगल में मौजूद डायमंड कॉम्प्लेक्स के गोदाम का शटर भी तोड़ा गया, लेकिन वहां चोरों को कोई नुकसान नहीं हुआ. घटना की जानकारी मिलने पर सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर सुशील कुमार नायक, थानेदार रवींद्र रेवतकर और दूसरे पुलिस वाले मौके पर पहुंचे. वर्धा से फिंगरप्रिंट टीम और डॉग स्क्वायड भी बुलाया गया. डॉग स्क्वायड जाम रोड की तरफ भागा, लेकिन कोई और सुराग नहीं मिला. बैंक में CCTV कैमरे बंद होने की वजह से चोरों की फुटेज रिकॉर्ड नहीं हो सकी. अगर कैमरे चालू होते, तो चोरों को कुछ सुराग मिल सकते थे. थानेदार रवींद्र रेवतकर की देखरेख में घटना की आगे की जांच चल रही है.

## बच्चों की साइंटिफिक एग्जीबिशन में भारत विद्यालय पहले स्थान पर

**हिंगणघाट.** जिला परिषद वर्धा, पंचायत समिति हिंगणघाट (एजुकेशन डिपार्टमेंट) द्वारा ऑर्गनाइज़ की गई 53वीं तालुका लेवल बच्चों की साइंटिफिक एग्जीबिशन 2025-2026 5 और 6 दिसंबर 2025 को रत्न विद्यान्यनिकेतन और बंसीलाल कटारिया हाई स्कूल, हिंगणघाट में हुई. सेकेंडरी सेक्शन में, भारत विद्यालय, हिंगणघाट के स्टूडेंट्स द्वारा बनाई गई स्मार्ट फार्मिंग और उसकी टेक्नोलॉजी (स्मार्ट फार्मिंग सिस्टम) की रेप्लिका को अरुण पोहाने, वेदांत दिनेश भोयर ने पहला स्थान हासिल किया. इन स्टूडेंट्स को चैताली मानापुरे ने गाइड किया. पंचायत समिति एजुकेशन डिपार्टमेंट की ओर से, ग्रुप एजुकेशन ऑफिसर अरविंद राठौड़ ने डिस्ट्रिक्ट लेवल पर इस रेप्लिका के सिलेक्शन पर उन्हें बधाई दी और सम्मानित किया. इस शानदार कामयाबी के लिए प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी के प्रेसिडेंट गोकुलदास राठी, वाइस प्रेसिडेंट शंभाऊ भीमनवार, सेक्रेटरी रमेश धारकर, प्रिंसिपल हरीश भट्टड़, डिप्टी प्रिंसिपल किशोर चावरे, सुपरवाइजर नीलाक्षी बुरिले, मनीषा कोंडावार और सभी टीचर्स ने स्टूडेंट्स को दिल से बधाई दी.

## फास्ट ट्रैक

### फोकर्डी में बाघ का बैल पर हमला

**गडचिरोली** . जिल्हे के चामोर्शी, तहसील के मौजा फोकर्डी में बुधवार तड़के एक बाघ ने ग्रामीण के गोठे में बंधे बैल पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया. इस घटना से गांव तथा आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल व्याप्त है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, फोकर्डी निवासी बाबूराव झोडे के सात वर्षीय बैल पर सुबह करीब 4 बजे बाघ ने अचानक धावा बोला. बाघ ने बैल को पंजों से कई बार नोचा, जिसमें उसकी गर्दन पर लगभग 1 से 1.5 इंच गहरी चोट आई है. हमला इतना भीषण था कि बैल खून से लथपथ अवस्था में पड़ा मिला.

## मेट्रो में 10 मिनट में होगी गैलेक्सी डिवाइसेस की इंस्टैंट डिलीवरी

# सैमसंग ने की इंस्टामार्ट के साथ साझेदारी

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज भारत के प्रमुख क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म, इंस्टामार्ट के साथ साझेदारी की है. इसके तहत प्रमुख शहरों में गैलेक्सी रेंज के प्रोडक्ट्स फौरन उपलब्ध कराए जाएंगे. इस सहयोग के माध्यम से, सैमसंग गैलेक्सी स्मार्टफोन, टैबलेट, वियरेबल्स और एक्सेसरीज़ के व्यापक पोर्टफोलियो तक त्वरित और सुविधाजनक पहुँच प्रदान करेगा. ग्राहक इंस्टामार्ट पर चुनिंदा गैलेक्सी डिवाइस ऑर्डर कर सकते हैं और उन्हें मिनटों के भीतर अपने दरवाजे पर डिलीवर करवा सकते हैं. सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के निदेशक, राहुल पाहवा ने कहा, सैमसंग में, हम सार्थक नवाचारों से प्रेरित हैं जो सभी के लिए सुलभ हैं. इंस्टामार्ट के साथ हमारी साझेदारी हमारी ओमनीचैनल रणनीति को मजबूत करने और गैलेक्सी अनुभव को मिनटों में यूजर्स तक उपलब्ध कराने की दिशा में एक और कदम है. हम अपने सबसे पसंदीदा डिवाइस को यूजर्स के और करीब ला रहे हैं. सैमसंग के साथ सीधे साझेदारी करके, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उच्च गुणवत्ता वाले डिवाइसेस अब बस कुछ ही टैप और 10 मिनट की दूरी पर हैं, जो तकनीक में सुविधा के सही अर्थ को फिर से परिभाषित कर रहे हैं. यह साझेदारी सैमसंग की अपनी ओमनी-चैनल उपस्थिति का विस्तार करने और उन उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से मेल खाती है जो स्पीड और पहुंच को महत्व देते हैं. सैमसंग ने इंस्टामार्ट के साथ साझेदारी करके अपने रिटेल इकोसिस्टम तंत्र को मजबूत किया है और यह सुनिश्चित किया है कि अलग-अलग प्राइस सेगमेंट वाले उपभोक्ता सुविधा के साथ गैलेक्सी तकनीक का अनुभव कर सकें.

इंस्टामार्ट के एवीपी, मनेन्दर कौशिक ने कहा, इंस्टामार्ट में, हमारा लक्ष्य हमेशा अपने उपभोक्ताओं की बदलती जीवनशैली का अनुमान लगाना और उसके अनुकूल बनना रहा है.

## हिवाली सत्र की पृष्ठभूमि में विधायक मसराम ने शिक्षा संघर्ष

# समिति के आमरण अनशन को दी भेंट

राष्ट्रबाण

**गड़चिरोली.** नागपुर के यशवंत स्टेडियम में समग्र शिक्षा संघर्ष समिति, महाराष्ट्र राज्य की ओर से शुरू किए गए बेमियादी आमरण अनशन का आज हिवाली अधिवेशन के दौरान विधायक रामदासजी मसराम ने दौरा कर जायजा लिया. समग्र शिक्षा से जुड़े विभिन्न लंबित मुद्दों के समाधान की मांग को लेकर कर्मचारी कई दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हैं. स्थिति गंभीर होती देख जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी आंदोलनकारियों के लिए राहतभरी साबित हुई. इस दौरान विधायक सुधाकर अडबाले, समग्र शिक्षा के वरिष्ठ पदाधिकारी श्री धनपाल मिसार, श्री गुरुदेव नवघड़े सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे. आंदोलनकारियों ने अपनी मांगें, समस्याएं तथा सरकारी स्तर पर हो रही देरी के बारे में विस्तार से जानकारी दी.<लंबित वेतनवृद्धि, नियमितीकरण, सेवा-शर्तों में सुधार सहित कई मुद्दों पर कर्मचारी लंबे समय से सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं. अनशनकर्ताओं की सेहत लगातार बिगड़ती जा रही है, यह जानकारी भी इस मौके पर विधायकों को दी गई. विधायक रामदासजी मसराम ने कर्मचारियों की मांगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए विधानमंडल में मजबूती से आवाज उठाने का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि हिवाली सत्र में इन मुद्दों को गंभीरता से उठाकर संतोषजनक समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा. "कर्मचारी अपने हकों के लिए संघर्ष कर रहे हैं. उनकी मांगें उचित हैं और सरकार को सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए," ऐसा उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा.

समग्र शिक्षा के हजारों कर्मचारियों के भविष्य से जुड़े प्रश्नों पर जनप्रतिनिधि आगे आने से आंदोलनकारियों में थोड़ी आशा जगी है. हालांकि, समिति ने स्पष्ट किया है कि सरकार की ओर से ठोस निर्णय होने तक आंदोलन जारी रहेगा. यशवंत स्टेडियम परिसर में चल रहे इस अनशन को विभिन्न संगठनों का समर्थन मिल रहा है और आने वाले दिनों में आंदोलन और तीव्र होने की संभावना जताई जा रही है.

## पंडित गोस्वामी महाराज ने लिया मार्कंडादेव मंदिर में

# भगवान शिव का दर्शन

राष्ट्रबाण

**मार्कंडादेव.** चामोर्शी में में श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह के पाँचवें दिन कथावाचक गुरुवर्य पं. विनोद बिहारी गोस्वामी महाराज ने चामोर्शी तहसील के मार्कंडादेव स्थीत मार्कंडेश्वर महादेव के दर्शन किए. दर्शन उपरांत उन्होंने मंदिर परिसर की पवित्रता, मनोहर दृश्य, शांत वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव करते हुए कहा कि यहाँ उन्हें अद्भुत आध्यात्मिक अनुभूति हुई. इस अवसर पर पं. गोस्वामी महाराज के साथ उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में माजी विधायक डॉ. देवराव होळी, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रा. रमेश बारसागडे, दिलीप चलाख, साईनाथ बुरांडे, विनोद खोबे, गजानन भांडेकर, सुरेश शहा, रघुनाथ भांडेकर, रवी भांडेकर, जयराम चलाख, राजू मोगरे, उमाकांत जुनघरे, मृत्युंजय गायकवाड, मोरेश्वर डांगे, मानतेश श्रीरामे, मनोहर मेडपल्लीवर समेत अन्य मान्यवरों का समावेश था. मार्कंडा देवस्थान का हरियाली से आच्छादित परिसर, बहती नदी का मधुर नाद और शांत वातावरण देखकर सभी के मन में श्रद्धा, भक्ति और संतोष की अनुभूति हुई. दर्शन के बाद पं. विनोद बिहारी गोस्वामी महाराज ने चामोर्शीवासियों को आशीर्वाद देते हुए धर्म, भक्ति और सदाचार का संदेश प्रदान किया.

## सोनेरांगी में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

राष्ट्रबाण

**गड़चिरोली.** कुरखेडा तहसील के मौजा सोनेरांगी में हेमाडपंथी शिवालय देवस्थान, सोनेरांगी की ओर से भव्य "संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा" तथा "काकड़ आरती, सामुदायिक प्रार्थना एवं हरिपाठ" कार्यक्रम का आयोजन किया गया. भागवत कथा का प्रवचन प्रसिद्ध प्रवचनकार कन्या ह. भ. प. ज्योतीताई धनाडे (जालना) ने अपनी मंगल वाणी में प्रस्तुत किया. वहीं सुश्री साध्वी दीलाशा मेघशाम ठलाल (मु. कढोली) ने अपने समृद्ध आध्यात्मिक कथन से उपस्थित भक्तों को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की. इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व सरपंच दिनेशभाऊ सिडाम ने उपस्थित होकर कथा स्थल का विधिवत पूजन किया तथा प्रवचनकारों का सम्मान कर दर्शन लिया. कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में तालुका कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीवन पाटिल (नाटे), सरपंच बाबूराव कुमरे, उपसरपंच गुरुदेव निकोडे, पुलिस पाटिल नन्नावरे, अंबादास ढोणे महाराज, नंदनवार साहब, अमोल धखने, गोपी कोटागले, उमाजी निमजे, प्रा. प्रदीप बोडणे तथा अन्य मान्यवर उपस्थित थे. इस अवसर पर बड़ी संख्या में गाँव के ग्रामस्थों और भक्तों ने उपस्थिति दर्ज की. पूरे सोनेरांगी गाँव में भक्तिभाव का वातावरण व्याप्त था.

## रोटरी क्लब द्वारा भव्य रक्तदान शिविर21 लोगों ने किया रक्तदान

राष्ट्रबाण

**गडचिरोली.** शहर में पिछले कुछ दिनों से बढ़ते रक्त संकट को गंभीरता से ध्यान में रखते हुए रोटरी क्लब गढ़चिरौली की ओर से 8 दिसंबर को स्थानीय साईं मंदिर परिसर में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इस पहल को नागरिकों ने उत्साहपूर्ण प्रतिसाद देते हुए सामाजिक दायित्व का सुंदर परिचय दिया.शिविर में कुल 21 दाताओं ने रक्तदान किया. इस दौरान कई नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच भी कराई. कुछ दाताओं के रक्त समूह दुर्लभ होने के कारण उनके विवरण को स्वास्थ्य विभाग में अलग से दर्ज किया गया है. ऐसे दुर्लभ रक्त समूह वाले दाताओं का रक्त सहेज कर नहीं लिया गया, बल्कि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर उनसे तुरंत संपर्क किया जाएगा, ऐसा आयोजकों ने बताया.रक्तदान के साथ-साथ डॉक्टरों द्वारा बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों की स्वास्थ्य जांच भी की गई. शिविर के सफल आयोजन में रोटरी क्लब के अध्यक्ष अमित सूचक, सचिव राकेश चढगुलवार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर नीरज जैन, तथा हेमंत राठी, नंदकिशोर काबरा, पूर्व अध्यक्ष सुनील बट्टूवार, कविता मोहरकर, अजय भरलावार, संजय गुप्ता, सतीश त्रिनगरीवार, रजनीश कोल्हे, पुनम सूचक, रश्मी मैडम, दिवाकर बारसागडे, प्रतिभा रामटेके, मधुर हेमके, प्रसाद पवार, अंकित गवारे और क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित थे.

## ICICI प्रूडेंशियल लाइफ ने सेटलमेंट रेशियो के साथ बढ़त बनाई

### 2026 के शुरुआती छह महीनों में 99.33% क्लेम

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2026 के शुरुआती छह महीनों में 99.33% का क्लेम सेटलमेंट रेशियो हासिल किया है, जो देश की टॉप लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में सबसे ज्यादा है. खास बात यह है कि बिना जांच वाले दावों को निपटाने में कंपनी ने औसतन सिर्फ 1.1 दिन का समय लिया. इसी अवधि में कंपनी ने कुल 893.38 करोड़ रुपये के डेथ क्लेम भी सेटल किए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ के चीफ ऑपरेशंस ऑफिसर श्री अमिश बैंकर ने कहाः "हमारी क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने के लिए डिज़ाइन की गई है और हम हर क्लेम को अत्यधिक संवेदनशीलता के साथ संभालते हैं. वित्त वर्ष 2026 के शुरुआती छः महीनों में हमारा क्लेम सेटलमेंट रेशियो 99.33% रहा और बिना जांच वाले क्लेम के लिए हमारा औसत क्लेम सेटलमेंट टर्नअराउंड टाइम सिर्फ 1.1 दिन था. इसके अलावा, इसी अवधि में हमने 893.38 करोड़ रुपये से अधिक के डेथ क्लेम सेटल किए." "हमारा ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण और डिजिटलाइजेशन पर मजबूत फोकस हमें क्लेम जल्दी सेटल करने में सक्षम बनाता है, जिससे परिवारों को ज़रूरत के समय समय पर आर्थिक सहारा मिल सके. मोबाइल ऐप, व्हाट्सऐप, चैटबॉट और वेबसाइट जैसे सुविधाजनक प्लेटफॉर्म के जरिए दावेदार आसानी से क्लेम दर्ज कर सकते हैं और उनकी स्थिति भी ट्रैक कर सकते हैं.

# अरडा गाँव का बोनालु उत्सव संपन्न

राष्ट्रबाण

**गड़चिरोली.** जिल्ह्यातील सिरोचा तहसील के अरडा गाँव स्थित मल्लिकार्जुन स्वामी (खंडोबा) मंदिर परिसर में पारंपरिक बोनालु उत्सव बड़ी श्रद्धा और भक्ति भाव से संपन्न हुआ. रविवार को पूजा-अर्चना के साथ उत्सव का शुभारंभ हुआ, जबकि सोमवार को मुख्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. लगभग 150 वर्षों की परंपरा को संजोए हुए इस उत्सव में महाराष्ट्र, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थिति दर्ज कराई. उत्सव के दोनों दिनों में महिलाओं ने खीर से भरे, गेंदा फूलों से सजाए गए कलश सिर पर धारण कर मंदिर की परिक्रमा की. सुबह से ही मंदिर परिसर में पूजा-पाठ, प्रसाद वितरण और धार्मिक कार्यक्रमों की चहल-पहल बनी रही.<महाआरती, कलश यात्रा तथा अन्य धार्मिक आयोजनों में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. मनोकामना पूर्ण होने की कामना से भक्तों ने भगवान मल्लिकार्जुन स्वामी को नज़राने अर्पित किए. श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उपविभागीय पुलिस अधिकारी संदेश नाईक के मार्गदर्शन में पुलिस विभाग ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का सख्ती से पालन कराया. पार्किंग, यात्रा मार्ग और भीड़ नियंत्रण की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस दल ने प्रभावी रूप से निभाई. प्रशासन के अनुसार, दोनों दिन उत्सव शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.

## चुनाव | केंद्रों पर मतदान उत्साह के साथ संपन्न

# तुमसर नगर परिषद चुनाव के लिए 50 प्रतिशत मतदान

राष्ट्रबाण

**तुमसर.** नगर परिषद चुनाव के लिए शहर के 50 मतदान केंद्रों पर मतदान उत्साह के साथ संपन्न हुआ. 25 पार्षद पदों के लिए 160 एंव नगराध्यक्ष पद के लिए 7 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद हो गया. अब चुनाव के नतीजों को लेकर उत्सुकता बनी हुई है. संपन्न चुनाव 27973 मतदाताओं ने अपने अमूल्य मताधिकार का प्रयोग किया. कुल मिलाकर 70.36 प्रतिषत मतदान हुआ है. इसमें से 13858 पुरुष एंव 14115 महिलाने अपने मतदान का प्रयोग किया. नगर परिषद चुनाव के मतदान का उत्सव अपने निर्धारित समय पर ठीक 7.30 बजे प्रारंभ हुआ. ठंड के कारण केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या कम दिखाई दी. परंतु दोपहर के बाद दृश्य एकदम बदल गया. नगर के मतदान केन्द्रों पर महिला पुरुष मतदाताओं की कतारें लंबी हो गई थी. अपने उज्जवल भविष्य की कामना को लेकर अपने जीवन का प्रथम मतदान करने के लिए अनेक युवक युवतियाँ अपने परिजनों के साथ मतदान बूथ पर पहुंचे. इसके बाद युवाओं ने अपने मोबाइल से सेल्फी लेकर अपनी अंगुली पर लगी स्याही का फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर लोकतंत्र के इस उत्सव में उत्साह के साथ अपनी भागीदारी का आगाज किया. शहर के कुछ मतदान केद्रों पर अंतिम समय में भीड देखी गई. अलग अलग मतदान केद्रों पर आये वरिष्ठ मतदाताओं का कहना था. ऐसे चुनाव हमने अपने जीवन में नहीं देखें. कुछ पढे. लिखे नागरिकों का कहना था सोशल मीडिया के जमाने में घर बैठे राजनीतिक उठापटक के दृष्य दिखाई दिए. अपनी पार्टी से उम्मीदवारी नहीं मिलने के कारण महिला शक्ति का अपने पार्टी नेताओं के सामने जो आक्रोश दिखाई दिया जो क्रोध का इजहार किया गया उससे यह स्पस्ट हो गया है कि महिला शक्ति अब अबला नहीं बल्कि लड़कर अपना हक लेना जान गई हैं. तुमसर नगर परिषद चुनाव में मतदान के पूर्व महिला नेत्रियों के क्रोध का चुनौती के साथ प्रबल आक्रोष ऐसे नेताओं के सामने दिखाई दिया जो गोंदिया- भंडारा जिले की परंपरागत राजनीति के प्रमुख माने जाते रहे हैं. नगर परिषद चुनाव के नतीजे आने के बाद तुमसर मोहाडी विधानसभा क्षेत्र के समीकरणों में काफी बडे परिवर्तन की संभावना को नकारा नहीं जा सकता है. गरीब सामाजिक कार्यकर्ता चुनाव के दौरान भारी मात्रा में धन वितरण की राजनीति की खबरें सुनकर अपने भविश्य को लेकर चिंतित नजर आ रहे थे.

संपूर्ण राज्य की तुमसर इस बहुचर्चित नगर परिषद के चुनाव 2025 के चुनाव की मतगणना आगामी 21 दिसंबर होगी.तुमसर न.प. चुनाव में 70.30 प्रतिशत मतदान हुआ.160 पार्षद प्रत्याशियों 7 नगराध्यक्ष उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया. महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन अधिवेशन 2025 का शुभारंभ हो गया. छत्रपति राजे शिवाजी की इस पवित्र भूमि के छोटे बड़े नेतागण विदर्भ की पावन धरती पर अपने अपने कदम रखेगें.महाराष्ट्र की राजनीति में दखल रखने वाले पक्ष विपक्ष के नेता उनकी पार्टीयों के पदाधिकारी जनप्रतिनिधी उनके छोटे बडे समर्थक सभी विदर्भ की भूमी पर आयेगें. विदर्भ की भूमी के सपूत देवेन्द्र फडणवीस साहेब इस स्वाभीमानी उन्नत राज्य के वर्तमान में मुख्यमंत्री है.

# अपना ही नियम भूल गई BCCI?

## एक खिलाड़ी के कारण सवालों के घेरे में भारतीय बोर्ड

**नयी दिल्ली.** 16 दिसंबर को अबू धाबी में आईपीएल 2026 सीजन के ऑक्शन का आयोजन होने जा रहा है. इस ऑक्शन से एक हफ्ता पहले ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने उन खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर दी है जिन पर इस बार बोली लगेगी. इस लिस्ट में कई बड़े और नए नाम हैं, जिनको लेकर उत्साह है. मगर एक खिलाड़ी ऐसा भी है, जिसके कारण BCCI ही सवालों के घेरे में आ गई है. इसकी वजह उनका भारतीय होकर विदेशी लीग में खेलना है. ये खिलाड़ी हैं ऑलराउंडर निखिल चौधरी, जो पिछले 2-3 साल से ऑस्ट्रेलिया में खेल रहे हैं और अब IPL की नीलामी में उतर रहे हैं. भारतीय बोर्ड ने मंगलवार 9 दिसंबर को मिनी ऑक्शन के लिए 350 खिलाड़ियों के नामों का ऐलान किया. इस बार ऑक्शन के लिए कुल 1390 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन किया था, जिसमें से सिर्फ 350 खिलाड़ियों को ऑक्शन के लिए शॉर्ट लिस्ट किया गया है. BCCI ने जो जानकारी दी है, उसके मुताबिक इसमें से कुल 240 भारतीय खिलाड़ी हैं, जिसमें 224 अनकैप्ड हैं. इसमें से ही एक निखिल चौधरी भी हैं, जिनको लेकर हर कोई हैरान है. असल में खिलाड़ियों की इस सूची में निखिल चौधरी को भारतीय खिलाड़ी के तौर पर दर्शाया गया है और साथ ही उन्हें पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (PCA) से जुड़ा बताया गया है. दिल्ली में जन्मे निखिल चौधरी ने कुछ साल पहले पंजाब की ओर से ही अपने प्रोफेशनल क्रिकेट के लिए डेब्यू किया था और इसलिए वो PCA का हिस्सा रहे हैं. ऐसे में उनके नाम के आगे भारत और PCA लिखा होना हैरानी भरा नहीं है. मगर पिछले करीब 3 साल से निखिल ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट खेल रहे हैं,

जहां वो बिग बैश लीग के अलावा घरेलू फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड में भी खेल रहे हैं और यही कारण है कि BCCI सवालों के घेरे में आ गई है. असल में BCCI के नियमों में साफ है कि अगर किसी भी भारतीय खिलाड़ी को विदेशी लीग में खेलना है तो उसे भारतीय क्रिकेट से पूरी तरह संन्यास लेना होगा, जिसमें IPL भी शामिल है. दिनेश कार्तिक से लेकर उन्मुक्त चंद जैसे खिलाड़ियों ने भी भारतीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद ही विदेशी लीग और टूर्नामेंट में खेला था. मगर निखिल चौधरी के मामले में ये साफ नहीं है कि क्या उन्होंने भारतीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था? ये सवाल इसलिए अहम है क्योंकि निखिल चौधरी भारतीय घरेलू क्रिकेट में खेल चुके थे. ऐसे में BBL या किसी दूसरे टूर्नामेंट में खेलने के लिए उन्होंने संन्यास लिया ही होगा. अब अगर उन्होंने भारतीय क्रिकेट पूरी तरह छोड़ दिया तो उन्हें फिर से IPL में खेलने की इजाजत कैसे मिल गई? अगर ये मान लिया जाए कि निखिल को ऑस्ट्रेलिया का 'स्थायी निवास' (पर्मानेंट रेजिडेंट) मिल गया है तो फिर उन्हें भारतीय अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में क्यों शामिल किया गया है? साथ ही उन्हें PCA का हिस्सा क्यों बताया गया है?इन सवालों ने हर किसी को हैरान कर दिया है. ये सवाल उठने लगा है कि क्या BCCI अपने ही बनाए नियम भूल गई या फिर ये सिर्फ गलती के कारण हुआ है? फिलहाल इसको लेकर BCCI या IPL गवर्निंग काउंसिल की ओर से किसी तरह का स्पष्टीकरण नहीं आया है और न ही लिस्ट में किसी तरह का बदलाव हुआ है.

# कौन है नाथू लाल का बेटा अशोक शर्मा, जिसने 19 विकेट लेकर बरपा दिया है कहर

**नयी दिल्ली.** सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में राजस्थान की टीम ने कमाल प्रदर्शन किया है और इस बेहतरीन परफॉर्मेंस की एक बड़ी वजह हैं तेज गेंदबाज अशोक शर्मा. दाएं हाथ के इस बॉलर ने इस टूर्नामेंट में अबतक सबसे ज्यादा 19 विकेट हासिल किए हैं. इस खिलाड़ी ने अपनी रफ्तार और स्विंग के दम पर तमिलनाडु-कर्नाटक जैसी टीमों को छकाया है. आइए आपको बताते हैं कौन हैं अशोक शर्मा, जिनके पिता राजस्थान में खेती करते हैं और अब किसान का बेटा आईपीएल से पहले धमाल मचा रहा है.

**अशोक शर्मा का जलवा**

अशोक शर्मा का जयपुर के पास रामपुरा गांव के रहने वाले हैं. उनके पिता नाथू लाल शर्मा किसान हैं. अशोक शर्मा का जन्म 17 जून, 2002 को हुआ था. ये खिलाड़ी स्कूली दिनों से ही क्रिकेट के मैदान पर छाया रहा है. हालांकि अशोक की किस्मत तब बदली जब साल 2017 में उनका एडमिशन जयपुर क्रिकेट एकेडमी में हुआ. अशोक शर्मा 130 से 140 किमी. प्रति घंटे की स्पीड से गेंदबाजी करते थे और तेज गेंदबाजी की एक प्रतियोगिता में जब वो आए तो राजस्थान रॉयल्स के कुछ अधिकारियों की नजर उनपर पड़ी. यही वजह है कि उन्हें इस टीम का नेट गेंदबाज बनने का मौका भी मिला.

**जब कोच की हो गई मौत**

अशोक शर्मा का सेलेक्शन जब राजस्थान की अंडर 19 टीम में हुआ तो उन्हें एक बहुत बड़ा झटका लगा. कोविड-19 महामारी के दौरान उनके कोच की मौत हो गई. लेकिन अशोक शर्मा ने इस झटके से उबरते हुए अपना प्रदर्शन अगले स्तर पर पहुंचाया. साल 2022 में इस खिलाड़ी को केकेआर ने 55 लाख रुपये की कीमत पर खरीदा लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला. आईपीएल 2025 में अशोक शर्मा की राजस्थान रॉयल्स में एंट्री हुई, उन्हें 30 लाख रुपये में खरीदा गया. लेकिन एक बार फिर उन्हें मौका नहीं मिला. इस सीजन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में जिस तरह का प्रदर्शन अशोक शर्मा ने किया उसे देखकर ऐसा लग रहा है कि अशोक शर्मा इस बार आईपीएल में जरूर डेब्यू करेंगे.

# रोहित-विराट के बीच सीधी टक्कर, ICC इस तारीख को करेगी बड़ा ऐलान

**नयी दिल्ली.** भारत और साउथ अफ्रीका के बीच हाल ही में खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली. इस जीत के हीरो रहे विराट कोहली, जिन्होंने बल्ले से ऐसा तूफान मचाया कि पूरी क्रिकेट दुनिया उनकी तारीफ करने को मजबूर हो गई. दूसरी तरफ कप्तान रोहित शर्मा ने भी अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन विराट का जलवा इस बार कुछ अलग ही स्तर का रहा. जिसके चलते इन दोनों खिलाड़ियों के बीच एक रोमांचक जंग छिड़ गई है.

**साउथ अफ्रीका के खिलाफ जमकर बनाए रन**

रोहित शर्मा ने तीन मैचों में 48.66 की औसत से 146 रन बनाए और दो उपयोगी अर्धशतक जड़े. उनकी पारियां टीम को मजबूत शुरुआत देने में कामयाब रहीं. लेकिन असली कहानी विराट कोहली की रही. किंग कोहली ने महज तीन पारियों में 151.00 की शानदार औसत से 302 रन ठोक डाले. इसमें दो शतक और एक नाबाद अर्धशतक शामिल रहा. उनकी यह विस्फोटक फॉर्म देखकर लगा कि पुराना विराट पूरी तरह वापस आ गया है.

**ICC इस तारीख को करेगी बड़ा ऐलान**

इस शानदार प्रदर्शन का सीधा असर अब ICC मेन्स वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग पर पड़ने वाला है. फिलहाल रोहित शर्मा 783 रेटिंग पॉइंट्स के साथ नंबर-1 स्थान पर काबिज हैं, वहीं विराट कोहली 738 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर हैं. लेकिन साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के बाद होने वाले अपडेट में विराट को भारी बढ़त मिलने की पूरी संभावना है. वह ना सिर्फ टॉप-3 में पहुंच सकते हैं, बल्कि सीधे नंबर-1 स्थान पर भी कब्जा जमा सकते हैं. आईसीसी की नई वनडे रैंकिंग 10 दिसंबर 2025 को जारी की जाएगी और क्रिकेट फैंस की नजरें इसी पर टिकी हुई हैं. अगर विराट इस अपडेट में रोहित को पछाड़कर टॉप पर पहुंच जाते हैं,

तो यह उनके करियर का एक और यादगार लम्हा होगा. विराट की यह वापसी इसलिए भी खास है क्योंकि पिछले कुछ समय से उनपर फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे थे. लेकिन भारत की सरजमीं पर उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि जब बात बड़े मौकों और लगातार रन बनाने की आती है, तो आज भी दुनिया में उनका कोई सानी नहीं है.

# 8 गेंदों का सुपर ओवर...

## नसीम शाह ने कमाल ही कर दिया, ILT20 2025 में नहीं टूटा इस टीम का ये रिकॉर्ड

**नयी दिल्ली.** इंटरनेशनल लीग T20 के मौजूदा सीजन में 8 दिसंबर को खेले मुकाबले का रोमांचक अंत हुआ. गल्फ जायंट्स और डेजर्ट वाइपर्स के बीच खेले इस मुकाबले में पहले तो रनों की खूब आतिशबाजी हुई. आलम ऐसा रहा कि कोई भी टीम किसी से कम नहीं दिखी. ऐसे में सीजन का पहला सुपर ओवर देखने को मिला, जहां डेजर्ट वाइपर्स से खेल रहे नसीम शाह ने कमाल ही कर दिया. उन्होंने 8 गेंदों वाला सुपर ओवर डाला. हालांकि, गनीमत ये रही उससे ILT20 2025 में टीम की जीत का रिकॉर्ड ब्रेक नहीं हुआ.

**सुपर ओवर में कैसे गया मैच?**

सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि मुकाबला सुपर ओवर तक कैसे पहुंचा? गल्फ जायंट्स ने मुकाबले में पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 5 विकेट पर 179 रन बनाए. जवाब में 180 रन के लक्ष्य का पीछा करने जब डेजर्ट वाइपर्स की टीम उतरी तो मैच उस मोड़ पर पहुंच गया, जहां उसके सामने अपनी इनिंग की आखिरी गेंद पर जीत के लिए 3 रन बनाने रह गए. मगर ऐसा हुआ नहीं. तीसरा रन लेने के चक्कर में नसीम शाह रन आउट हो गए और इस तरह टीम के खाते में 2 रन ही जुड़ सके. मतलब गल्फ जायंट्स की तरह डेजर्ट वाइपर्स ने भी 20 ओवर में 179 रन ही बनाए. और, इस तरह मामला सुपर ओवर में पहुंच गया. ILT20 2025 के पहले सुपर ओवर में डेजर्ट वाइपर्स ने पहले बैटिंग की. और, नुआन तुषारा की 6 लीगल गेंदों पर 13 रन बनाए. इस दौरान उसका एक विकेट भी गिर गया. अब गल्फ जायंट्स को जीतने के लिए 14 रन बनाने थे. और डेजर्ट वाइपर्स को ILT20 2025 में अपनी जीत के सिलसिले को टूटने से बचाना था तो उसे 13 रन डिफेंड करने थे.

**8 गेंदों का सुपर ओवर फिर भी नसीम शाह ने दिलाई जीत**

डेजर्ट वाइपर्स के कप्तान सैम करन ने गेंद नसीम शाह को थमाई, जिन्होंने 8 गेंदों का सुपर ओवर डाला, फिर भी उन्होंने 13 रन डिफेंड कर लिए. और. इसीलिए हम कह रहे हैं कि उन्होंने कमाल ही कर दिया. अब आप सोच रहे होंगे कि नसीम शाह ने 8 गेंदों वाला सुपर ओवर डाला कैसे? नसीम शाह ने सुपर ओवर की शुरुआत पहली ही गेंद नो बॉल डालकर की, जिसके बाद उन्हें फिर से वो गेंद करनी पड़ी. इसके बाद ओवर की दूसरी गेंद उन्होंने ठीक फेंकी. मगर तीसरी गेंद वाइड डाल दी और वो गेंद भी उन्हें फिर से करानी पड़ी. इसके बाद उन्होंने बाकी की सारी गेंदें लीगल फेंकी. मगर एक नो बॉल और एक वाइड समेत सुपर ओवर में 8 गेंदें फेंकने के बाद भी नसीम शाह ने गल्फ जायंट्स को सिर्फ 9 रन ही अपने खिलाफ बनाने दिए.

# गर्लफ्रेंड के फोटो-वीडियो पर भड़का टीम इंडिया का धुरंधर

**नई दिल्ली:** भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार प्लेयर हार्दिक पंड्या आजकल बेहद नाराज हैं। पंड्या एशिया कप में लगी चोट के बाद टीम इंडिया में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वापसी कर रहे हैं। सीरीज के पहले मुकाबले के लिए वे कटक पहुंचे हुए हैं, जहां से उन्होंने अपना गुस्सा सोशल मीडिया पर सबके साथ शेयर किया है। इसमें उन्होंने खासतौर पर उन फोटो जर्नलिस्ट्स और कैमरामैन को लेकर नाराजगी जताई है, जो उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा की प्राइवेसी भंग कर रहे हैं। पंड्या का यह अंदाज देखकर उनके फैंस भी हैरान हैं, क्योंकि एशिया कप में चोट लगने के बाद रिहेबिलेशन के दौरान पंड्या ने खुद ही माहिका शर्मा के साथ अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था और लगातार उनके साथ सोशल मीडिया पर बिंदास फोटोज या वीडियोज भी शेयर करते हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक पंड्या उस वीडियो और उन फोटोज से नाराज हैं, जो उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा के मुंबई

में तब क्लिक किए गए थे, जब वे एक रेस्टोरेंट से बाहर निकल रही थीं। उन वीडियो और फोटो में माहिका का एंगल बेहद गलत है, जिससे उनकी प्राइवेसी लीक हो रही है। यह वीडियो बांद्रा के एक रेस्टोरेंट की सीढ़ियों से नीचे उतरते समय का है। इस अभद्र कैमरा एंगल को लेकर ही हार्दिक नाराज हो गए हैं।हार्दिक पंड्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में उन्होंने लंबी-चौड़ी नसीहत ऐसे कैमरामैन को दी है, जो इस तरह के प्राइवेसी लीक करने वाले एंगल की तलाश में रहते हैं।

# ऑक्शन में उतरेगा पाकिस्तानी मूल का खिलाड़ी, BCCI ने दी हरी झंडी

**नयी दिल्ली.** आईपीएल 2026 के लिए ऑक्शन 16 दिसंबर 2025 को अबू धाबी में होने वाला है. बीसीसीआई ने खिलाड़ियों की आखिरी लिस्ट भी जारी कर दी है, जिसमें कुल 350 खिलाड़ी शामिल हैं. इनके लिए 10 फ्रेंचाइजी अपनी-अपनी तिजोरियां खोलेंगी. इस बार ऑक्शन के लिए शुरुआत में कुल 1390 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिनमें से कड़ी छटनी के बाद सिर्फ 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी ही शॉर्टलिस्ट हो पाए हैं. खास बात ये है कि इन 350 खिलाड़ियों में एक पाकिस्तानी मूल का क्रिकेटक भी शामिल है.

इन 350 नामों में एक नाम सबसे ज्यादा चर्चा बटोर रहा है, जो न्यूजीलैंड के युवा सनसनीखेज ऑलराउंडर मोहम्मद अब्बास हैं. यह 22 साल का लड़का भले ही न्यूजीलैंड की जर्सी पहनता हो, लेकिन उसका जन्म

29 नवंबर 2003 को पाकिस्तान के लाहौर में हुआ था, उनके पिता अजहर अब्बास पूर्व फर्स्ट-क्लास क्रिकेटर रहे हैं, जो पाकिस्तान और न्यूजीलैंड दोनों में घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं. बचपन में ही पूरा परिवार ऑकलैंड शिफ्ट हो गया था और मोहम्मद ने महज तीन साल की उम्र से बल्ला और गेंद थाम ली थी.

16 साल की उम्र में ही न्यूजीलैंड क्रिकेट ने उन्हें अपने टैलेंट पाथवे प्रोग्राम में चुन लिया था और इस साल उनकी मेहनत रंग लाई. 29 मार्च 2025 को नेपियर में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे डेब्यू करते ही उन्होंने तहलका मचा दिया. सिर्फ 24 गेंदों पर 52 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर उन्होंने डेब्यू पर सबसे तेज अर्धशतक का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत के क्रुणाल पंड्या के नाम था, जिन्होंने 26 गेंदों में फिफ्टी जड़ी थी. मोहम्मद की इस पारी में 3 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के शामिल थे. गेंदबाजी में भी उन्होंने पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान को आउट कर सबको हैरान कर दिया था. इस शानदार डेब्यू के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें तुरंत सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दे दिया. वह एजाज पटेल के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास में दूसरे मुस्लिम खिलाड़ी हैं.मोहम्मद अब्बास ने न्यूजीलैंड की टीम के लिए अभी तक 3 वनडे मैच खेले हैं. इस दौरान उन्होंने 34.66 की औसत से 104 रन बनाए हैं. वहीं, बतौर गेंदबाज 2 विकेट हासिल किए हैं. उन्होंने ये तीनों मैच पाकिस्तान की टीम के खिलाफ खेले थे. मोहम्मद अब्बास 19 टी20 मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 391 रन बनाए हैं.

# BCCI की नाक के नीचे घोटाला, टीम में आने के लिए भयानक फर्जीवाड़ा

**नयी दिल्ली.** भारत में क्रिकेट को चलाने वाली संस्था BCCI है. लेकिन, उसकी नाक के नीचे पुदुचेरी में चल रहे जिस फर्जीवाड़े का पता चला है, वो आंख और कान खोल देने वाला है. क्या है पूरा मामला, आइए जानते हैं.जैसे वर्ल्ड क्रिकेट को ICC चलाती है, ठीक वैसे ही भारतीय क्रिकेट को चलाने का काम BCCI का है. अपने खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने में, उन्हें जुझारू बनाने और इंटरनेशनल क्रिकेट के लायक बनाने में BCCI के किए जा रहे प्रयासों बड़ा योगदान है. इसके लिए BCCI के पास सपोर्ट स्टाफ की एक जबरदस्त टीम है, जो खिलाड़ियों के पीछे काम करती है. BCCI खिलाड़ियों को वो मंच देती है, जिस पर वो अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा कर, खुद को तपाकर आगे बढ़ सकते हैं. लेकिन, पुदुचेरी में मामला जरा अलग दिख रहा है. वहां BCCI की नाक के नीचे जो खेल चल रहा है, वो आंख और कान खोल देने वाला है.

पुदुचेरी में खिलाड़ियों के टीम में आने के लिए शॉर्टकट लिया जा रहा है. और, जो ऐसा कर रहे हैं वो BCCI और CAP यानी क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ पुदुचेरी के समानांतर काम कर रहे हैं. उनके लिए सब पैसे का खेल है. पैसे से वो नकली पते बनाते हैं और एलिग्जिबिलिटी सर्टिफिकेट भी प्रदान करते हैं. BCCI की नाक के नीचे हो रहे इस फर्जीवाड़े का पता इंडियन एक्सप्रेस के किए पड़ताल में चला है.

**जांच में हुआ बड़ा खुलासा**

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट की मानें तो उसने पिछले 3 महीने में केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी में खिलाड़ियों के

2000 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन फॉर्मों की समीक्षा की. एक दर्जन से ज्यादा पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों, अधिकारियों से बात की. इतना ही नहीं इंडियन एक्सप्रेस ने रिहायशी व शैक्षणिक संस्थानों के दिए गए कई पतों का जमीनी सत्यापन भी किया.

रिपोर्ट में बताया गया कि सारी चीजों को जांचने और परखने के बाद एक सुव्यवस्थित ग़ैर-कानूनी प्रणाली का खुलासा हुआ, जिसे चलाने वाले वहां के निजी क्रिकेट एकेडमी के कोच हैं.

ये सारे फर्जी दस्तावेज उपलब्ध करवाते हैं. उनका मकसद दूसरे राज्यों के क्रिकेटरों को बीसीसीआई की एक साल की अनिवार्य निवास आवश्यकता पूरी करवाकर "स्थानीय" खिलाड़ी बनाना होता है. ये सब "पैकेज" के रूप में 1.2 लाख रुपये या उससे अधिक के बदले किया जाता है. ये क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ पुदुचेरी की अलग-अलग एज कैटेगरी की टीमों में जगह बनाने का भी एक रास्ता है.

रिपोर्ट के मुताबिक इस फर्जीवाड़े का सबसे बड़ा सबूत ये है कि अलग-अलग टीमों से खेलने वाले 17 लोकल क्रिकेटर मूलाकुलम के मोतीनगर में एक ही आधार पते का उपयोग कर रहे थे. हालांकि, जब उस घर के मालिक से बात की गई तो पता चला कि किरायेदारों को किराया ना चुकाने के चलते महीनों पहले ही हटा दिया गया है. इस समानांतर प्रणाली के काम का सीधा नुकसान पुदुचेरी में जन्मे खिलाड़ियों को हो रहा है, जिनके लिए मौके खत्म हो गए हैं.

पिछले 4 सालों में पुदुचेरी ने 29 रणजी मुकाबले खेले हैं. मगर उनमें खेलने वाले वहां जन्में सिर्फ 4 खिलाड़ी ही शामिल रहे हैं. इस सीजन वीनू मांकड़ ट्रॉफी के ओपनिंग मैच में 11 में से 9 खिलाड़ियों दूसरे राज्यों से लिए गए थे. उन्हें लोकल प्लेयर का लेबल लगाकर मैदान पर उतारा गया था.

# अभिषेक शर्मा के धमाके के आगे सब फेल, ऐसा करने वाले दुनिया भर के बल्लेबाजों के बीच मनवाया लोहा

**नयी दिल्ली.** भारत और साउथ अफ्रीका के बीच T20 सीरीज कटक से शुरू हो रही है. लेकिन, उससे पहले ही अभिषेक शर्मा ने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवा दिया है. उन्होंने ऐसा धमाका किया है कि दुनिया भर के बल्लेबाज उनके आगे फेल हो गए हैं. अब आप पूछेंगे कि अभिषेक का धमाका क्या है? तो इसके तार T20 इंटरनेशनल में उनकी बल्लेबाजी के स्ट्राइक रेट से जुड़ते हैं, जिसमें अभिषेक शर्मा दुनिया भर के बल्लेबाजों पर बीस दिखते हैं.

अभिषेक शर्मा का T20 इंटरनेशनल करियर पिछले साल ही शुरू हुआ है. इन एक साल में उन्होंने जिस स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं, वो दुनिया के किसी भी बल्लेबाज के मुकाबले सबसे ज्यादा हैं. फिर चाहे वो बल्लेबाज 1000 से कम रन बनाने वाले रहे हों या फिर 1000 रन से ज्यादा. T20 इंटरनेशनल करियर में अभिषेक शर्मा सबसे ज्यादा स्ट्राइक

रेट रखने वाले बल्लेबाज हैं.अभिषेक शर्मा ने 29 T20 इंटरनेशनल की 28 पारियों में 1012 रन बनाए हैं. इस दौरान उन्होंने 66 छक्के और 96 चौके जमाते हुए 189.51 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जो कि एक रिकॉर्ड है.अभिषेक शर्मा के बाद इस्तोनिया के बल्लेबाज साहिल चौहान का करियर स्ट्राइक रेट T20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा है. हालांकि, उनके रन अभी 1000 ही नहीं बल्कि 500 रन के जादुई आंकड़े से भी पीछे हैं.साहिल चौहान ने 22 T20 इंटरनेशनल की 21 पारियों में 479 रन 184.23 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं. T20 इंटरनेशनल करियर में 1000 प्लस रन बनाने वाले बल्लेबाजों के बीच अभिषेक शर्मा के बाद टिम डेविड का स्ट्राइक रेट सबसे ज्यादा है. उन्होंने अपने अब तक के करियर में 168.88 की स्ट्राइक रेट से 68 मैच की 58 पारियों में 1596 रन बनाए हैं. टिम डेविड के बाद इंग्लैंड के फिल सॉल्ट हैं, जिन्होंने 168.12 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं. वहीं इस लिस्ट में फिर भारत के T20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का स्थान है, जिनका T20 इंटरनेशनल में स्ट्राइक रेट 164.41 का है.साउथ अफ्रीका के क्रिकेटरों की बात करें तो T20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट उनकी ओर से राइली रूसो (159.79) का है.

राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

## मेरा नाम कैसे आगे आया, इसकी खोज करनी होगी : वडेट्टीवार

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** पिछले कुछ दिनों से विपक्ष के नेता (विरोधी पक्ष नेता) का मुद्दा गरमाया हुआ है. ऐसे में, विधानमंडल के शीतकालीन अधिवेशन के दूसरे दिन विजय वडेट्टीवार का नाम विपक्ष के नेता के रूप में आगे आया है. इस पृष्ठभूमि में, स्वयं वडेट्टीवार ने मंगलवार को विधान भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए कहा, मेरे नाम के संबंध में किसी ने भी मुझसे चर्चा नहीं की है. मेरा नाम कैसे आगे आया, इसकी खोज करनी होगी. अधिवेशन के पहले दिन से ही विपक्ष के नेता पद के लिए अलग-अलग नाम सामने आ रहे हैं. आदित्य ठाकरे, भास्कर जाधव के नाम आगे आए थे. उसके बाद आज, मंगलवार को विजय वडेट्टीवार के नाम की चर्चा शुरू है. इस बारे में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा, महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने शिवसेना के भास्कर जाधव और कांग्रेस के सतेज पाटील के नाम की सिफारिश की थी. दो महीने पहले मुख्यमंत्री से मिलकर विपक्ष के नेता का पद देने की मांग की गई थी. हालाँकि, मेरे नाम के संबंध में किसी ने भी मुझसे चर्चा नहीं की है.

### शाश्वत कृषि और पर्यावरण संरक्षण पर विस्तृत चर्चा

# राज्यपाल ने किया गो-विज्ञान केंद्र का दौरा

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** आज देवलापार स्थित गो-विज्ञान अनुसंधान केंद्र में आदरणीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रतजी ने महत्वपूर्ण दौरा किया. राज्यपाल महोदय के आगमन के अवसर पर केंद्र में विशेष आयोजन किया गया और अधिकारियों ने उन्हें केंद्र में चल रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की.

दौरे के दौरान राज्यपाल को गो-संवर्धन, जैविक खेती, पंचगव्य आधारित अनुसंधान तथा प्रशिक्षण गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन करवाया गया. अधिकारियों ने बताया कि केंद्र में देसी गौवंश के संरक्षण के साथ-साथ प्राकृतिक कृषि, मृदा-सुधार तथा पर्यावरण-अनुकूल खेती पर निरंतर अध्ययन किया जाता है. पंचगव्य से तैयार की जाने वाली विभिन्न द्रव और ठोस सामग्री मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, कीट-नियंत्रण तथा पर्यावरण संरक्षण में प्रभावी सिद्ध हो रही हैं. इस अवसर पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों के साथ शाश्वत खेती, प्राकृतिक कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशु-संवर्धन के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की. उन्होंने कहा कि गो-विज्ञान के माध्यम से किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली खेती की दिशा मिल सकती है. प्राकृतिक कृषि न केवल भूमि के पोषण को बनाए रखती है, बल्कि जल-संचयन, जैव-विविधता और ग्रामीण जीवन को भी सशक्त बनाती है.

महाराष्ट्र के गवर्नर महामहिम आचार्य देवव्रत ने गोविज्ञान अणु केंद्र देवलापार का दौरा .प्रोजेक्ट देखने के बाद उन्होंने टीम को उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए बधाई दी. जहर मुक्त खेती और देसी गायों की नस्ल में सुधार देखकर संतुष्टि जताई.

> राज्यपाल ने यह भी उल्लेख किया कि देसी गौवंश भारतीय कृषि-व्यवस्था की रीढ़ है और पंचगव्य आधारित अनुसंधान आने वाले समय में किसानों के लिए वरदान साबित हो सकता है. उन्होंने केंद्र में किए जा रहे नवाचारों की सराहना की और कहा कि इन अनुसंधान-आधारित पद्धतियों का लाभ देशभर के किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए. दौरे के अंत में राज्यपाल ने गो-विज्ञान अनुसंधान केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए प्राकृतिक और शाश्वत खेती के प्रसार के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने की दिशा में प्रोत्साहित किया.

# गुटखा विक्रेताओं पर लगेगी नकेल

### मकोका लागू करने के लिए संशोधन की तैयारी

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में जानकारी दी कि राज्य में गुटखा विक्रेताओं पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) लागू करने के लिए आवश्यक संशोधन किए जाएंगे. उन्होंने बताया कि पहले गुटखा कारोबार पर मकोका लगाने का प्रस्ताव विधि एवं न्याय विभाग को भेजा गया था, लेकिन मौजूदा कानून में "हार्म और हर्ट" के तत्व लागू न होने के कारण मकोका लगाना संभव नहीं था. अब सरकार कानून में बदलाव कर इसे अधिक कठोर बनाने की दिशा में काम कर रही है, ताकि गुटखा व्यवसाय से जुड़े लोगों पर भी मकोका लागू किया जा सके. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में गुटखा प्रतिबंध लागू है और पुलिस ने गुटखा बिक्री तथा परिवहन के मामलों में राज्यभर में व्यापक कार्रवाई की है. विभिन्न जिलों में सौ से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं. उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शाला या महाविद्यालय के 100 मीटर दायरे में गुटखा बिक्री पाई जाने पर संबंधित दुकानें और ठेले संयुक्त कार्रवाई के दायरे में आएंगे. यह कार्रवाई स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के समन्वय से की जाएगी. इसके साथ ही मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि नशे के आदी लोगों के लिए पुनर्वसन केंद्रों की आवश्यकता बढ़ गई है.

## फास्ट ट्रैक

### आवारा कुत्तों पर करें नियंत्रण

**नागपुर .** मुंबई में आवारा कुत्तों की समस्या दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है और हमलों की घटनाएँ बढ़ गई हैं. नागरिकों में डर का माहौल बन गया है. इस पृष्ठभूमि पर, आवारा कुत्तों को नियंत्रित करने के लिए युद्धस्तर पर आश्रय केंद्रों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए, यह मांग की गई. इस पर सरकार ने राजस्व, वन, नगर विकास और ग्राम विकास विभागों की संयुक्त बैठक आयोजित कर इस समस्या पर उपाय करने पर सहमति जताई. साथ ही, राजस्व विभाग के स्तर पर संभागवार बैठकें आयोजित करने का आश्वासन भी नगर विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने विधानसभा में दिया.

### तुकाराम मुंढे के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाले BJP

## विधायक कृष्णा खोपड़े को धमकी भरे फोन

### पुलिस में शिकायत दर्ज

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** सनदी अधिकारी तुकाराम मुंढे के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाले भारतीय जनता पार्टी के विधायक कृष्णा खोपड़े को फोन पर धमकियाँ मिलने का प्रकरण सामने आया है. खोपड़े ने आरोप लगाया कि मुंढे के समर्थकों ने ही उन्हें यह धमकी भरे कॉल किए.कृष्णा खोपड़े ने बताया कि जब वे विधिमंडल परिसर में प्रवेश कर रहे थे, तब उन्हें लगातार धमकी के कॉल मिले. इस संदर्भ में उन्होंने तत्काल विधिमंडळ सचिवालय और मुख्यमंत्री कार्यालय को जानकारी दी और बाद में पुलिस में शिकायत दाखिल की.खोपड़े ने सरकार से मांग की थी कि जब तुकाराम मुंढे नागपुर महानगरपालिका के आयुक्त थे, तब उन्होंने करोड़ों रुपये का कथित गैरव्यवहार किया था, इसलिए सरकार उन्हें सरकारी सेवा बडतर्फ करे. इसी कारण उन्हें धमकियाँ मिल रही हैं, ऐसा विधायक खोपड़े का आरोप है.

### विधायक कृष्णा खोपड़े ने तुकाराम मुंढे पर कई गंभीर आरोप लगाए

> महानगरपालिका आयुक्त रहते हुए उन्होंने कई अनियमितताएँ कीं तथा कर्मचारियोंसे अमानवीय बर्ताव किया.स्वयं को स्मार्ट सिटी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी घोषित करके 20 करोड़ रुपये के चेक पर बिना अधिकार के हस्ताक्षर किए, जो बैंक में भी मंजूर नहीं था.स्तनपान करने वाली महिला कर्मचारियों को स्तनपान से रोकने जैसा अमानवीय कृत्य किया, जो अत्यंत गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है.इन सभी मामलों से संबंधित दो केस फिलहाल कोर्ट में चल रहे हैं.खोपड़े ने प्रश्न उठाया कि इतने गंभीर आरोप लंबित होने के बावजूद शासन ने अचानक क्या कारण से मुंढे को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया और उन्हें पदोत्तर मंजूरी दे दी? तत्कालीन महापौर और बोर्ड के चेयरमैन के रूप में उन्होंने इसे बोर्ड का गलत निर्णय बताया.

# गीता श्लोकों पर आधारित 'गीताक्षरी-2025' को उत्साहपूर्ण प्रतिसाद

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** संस्कृत सखी सभा और नटराज आर्ट्स एंड कल्चर सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में धरमपेठ रजत महोत्सव के सभागार में 'गीताक्षरी-2025'—गीता के श्लोकों पर आधारित एक विशेष अंत्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में कुल 54 सखियों ने सहभागी होकर उत्स्फूर्त प्रतिसाद दिला. यह कार्यक्रम लगातार तीसरे वर्ष संपन्न हुआ. इस गीताक्षरी में कुल पाँच राउंड आयोजित किए गए . पहला राउंड सामान्य अंत्याक्षरी, दूसरी व्यक्तिगत फेरी, तीसरी कृष्ण और अर्जुन के विभिन्न नामों पर आधारित श्लोकों की फेरी, चौथी अध्याय के क्रमांक से अध्याय का नाम पहचानने की फेरी, और पाँचवीं पाँच आवर्तन वाली फेरी थी. इस प्रतियोगिता में में मुमुक्षु गण ने प्रथम तथा प्रभविष्णु गण ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया. कार्यक्रम का आरंभ गीताग्रंथ पूजन और आरती से हुआ. तत्पश्चात दो नन्ही बालिकाओं स्वरा और ओवी ने शंखनाद कर वातावरण को पवित्र किया.अंत्याक्षरी की आयोजक थीं डॉ. विजया जोशी, कीर्ति मराठे, डॉ. भारती पोलके, सौ. कल्याणी रोडे और सौ. अनुश्री जोशी. परीक्षक के रूप में डॉ. सुलभा चौधरी और डॉ. वीणा गानू ने कार्य का निर्वाह किया. विजयी टीमों के साथ-साथ सभी प्रतिभागी टीमों को भी पारितोषिक वितरित किए गए. विविध राउंड का निवेदन कीर्ति मराठे, अनुश्री जोशी, कल्याणी रोडे और डॉ. भारती पोलके ने किया. कार्यक्रम में धरमपेठ शिक्षण संस्था के अध्यक्ष अ‍ॅड उल्हास औरंगाबादकर तथा नटराज आर्ट्स एंड कल्चर सेंटर के प्राचार्य डॉ. रविंद्र हरिदास उपस्थित थे.

### पाँच रोगियों को मिला नया जीवन

## दुर्घटना में घायल युवक सिद्धार्थ कालपांडे का अंगदान

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** अमरावती जिले के बडनेरा में 6 दिसंबर को हुई दोपहिया दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए 40 वर्षीय सिद्धार्थ कालपांडे का अंगदान कर पाँच रोगियों को नया जीवन मिला है. दुर्घटना में सिर पर गहरी चोट लगने के बाद उन्हें पहले इर्विन अस्पताल और फिर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. स्थिति गंभीर होने पर परिवार ने उन्हें नागपुर स्थित शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (मेडिकल) के ट्रॉमा केयर सेंटर में स्थानांतरित किया.ट्रॉमा सेंटर में भर्ती होते ही शल्य चिकित्सा विभाग के डॉ. अब्दुल कुरैशी और उनकी टीम ने प्राथमिक जांच की. न्यूरोसर्जन डॉ. रामानुज काबरा और डॉ. अजिंक्य आकरे ने परीक्षण के दौरान पाया कि रोगी की स्थिति ब्रेन-डेथ घोषित करने योग्य है. इसके बाद ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर कु. भाग्यश्री निघोट ने परिवार से संवाद कर अंगदान का महत्व समझाया.पिता परसराम कालपांडे, बड़े भाई सुनील और मनोज ने अत्यंत संवेदनशील निर्णय लेते हुए अंगदान के लिए सहमति दी. वैद्यकीय अधीक्षक डॉ. अविनाश गावंडे के नेतृत्व में गठित विशेषज्ञ समिति — डॉ. सोमा चाम, डॉ. वैजयंती गद्रे, डॉ. पीयूष जांभेकर और डॉ. अल्फा तेलंग — ने सिद्धार्थ कालपांडे को आधिकारिक रूप से ब्रेन-डेथ घोषित किया.इसके बाद ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर डॉ. सुमित चाहाकार ने दाता, प्राप्तकर्ता और ZTCC के बीच समन्वय स्थापित कर अंगदान की पूरी प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न कराई. ZTCC ने शहर के विभिन्न अस्पतालों की प्रतीक्षा सूची के अनुसार अंगों का वितरण किया.

> अंगदान में एक किडनी और दो नेत्र (कॉर्निया) मेडिकल नागपुर को प्राप्त हुए, दूसरी किडनी कीम्स किंग्सवे अस्पताल को दी गई, जबकि यकृत (लीवर) न्यू इरा अस्पताल को प्राप्त हुआ. इन अंगों से पाँच रोगियों को नया जीवन मिला.डॉ. राज गजभिये, अधिष्ठाता: "अंगदान के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के अल्पशिक्षित लोग भी आगे आ रहे हैं. प्रशासन प्रक्रिया को और सरल बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है."डॉ. अविनाश गावंडे, वैद्यकीय अधीक्षक: "मृत्यु के बाद भी दूसरों को जीवन देने का परिवार का निर्णय अत्यंत प्रेरणादायी है. मेडिकल प्रशासन परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करता है."

# अधिवेशन के दूसरे दिन 6 मोर्चों का धावा!

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** शीतकालीन अधिवेशन के दूसरे दिन शिक्षक, अम्बेडकरवादी अनुयायी, महिलाएँ, पुलिस बॉयज़ आदि 6 संगठनों के साथ-साथ चॉकलेट मार्च ने भी मार्च निकालकर विधान भवन परिसर को गूंजा दिया. राज्य के 1 लाख 75 हजार युवक और युवतियों को निजी और सरकारी प्रतिष्ठानों में 11 महीने का प्रशिक्षण दिया गया. सरकार की अक्षमता के कारण प्रशिक्षण पूरा करने वाले युवक-युवतियों को फिर से बेरोजगार होना पड़ेगा. इसलिए, प्रशिक्षित बेरोजगार युवक और युवतियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार विभिन्न सरकारी प्रतिष्ठानों में स्थायी रोजगार दिया जाए और उनके मानदेय में दोगुनी वृद्धि की जाए, इन मांगों के लिए मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षार्थी सहायक संगठन की ओर से विधान भवन पर चॉकलेट मार्च निकाला गया.यशवंत स्टेडियम से निकले इस मार्च का नेतृत्व अनूप चव्हाण ने किया. टेकड़ी रोड पर पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों को रोके जाने के बाद, एक प्रतिनिधिमंडल ने मा. मंगलप्रभात लोढ़ा से मुलाकात की और अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा.प्रतिनिधिमंडल में बालाजी चाकुरकर, पूर्व सांसद हरिभाऊ राठौड़, हभप तुकाराम महाराज, प्रकाश साबले, आकाश घड़ियाल, अनूप चव्हाण मुख्य रूप से शामिल थे.

**पुलिस बॉयज एसोसिएशन**

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पुलिस बॉयज एसोसिएशन की ओर से विधान भवन पर एक मार्च निकाला गया. इस मार्च में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और उनकी पत्नियों के गंभीर रोगों पर मुफ्त उपचार करने, राज्य पुलिस दल के कर्मचारियों को 5,000 का आहार भत्ता देने, पुलिस के बच्चों को पुलिस भर्ती में 10% आरक्षण प्रदान करने, 2003 से लंबित गृह ऋण का तत्काल वितरण करने, तथा 2001 से पहले सेवा में रहते हुए मृत हुए पुलिस कर्मचारियों के अनुकंपा आश्रितों के लिए 3 बच्चों की शर्त रद्द करने की मांगें शामिल थीं.

### प्राथमिक शिक्षक समन्वय समिति

नागपुर जिला प्राथमिक शिक्षक समन्वय समिति की ओर से विधान भवन पर एक मार्च निकाला गया, जिसमें 16 प्रमुख माँगें रखी गईं. इन मांगों में प्राथमिक शिक्षकों के लिए टीईटी (TET) अनिवार्य करने के संबंध में राज्य सरकार से शिक्षकों के संरक्षण में भूमिका निभाने, आरटीई एक्ट 23 में टीईटी संबंधी सुधारों सहित एनसीटीई (NCTE) की अधिसूचना में सुधार के लिए सरकार को प्रस्ताव प्रस्तुत करने की माँग शामिल थी.

### संविधान प्रचारक संघ का मार्च

संविधान प्रचारक संघ ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर एक मार्च निकाला. उनकी मुख्य मांगों में 14 अप्रैल को सरकारी छुट्टी घोषित करना, पूरे देश में आठवीं कक्षा से भारतीय संविधान को एक अनिवार्य विषय के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल करना, देश और राज्य स्तर पर (क्षेत्रीय भाषाओं में) संविधान टीवी चैनल शुरू करना और उस पर संविधान संबंधी साहित्य दिखाना शामिल था.

## महिला व बाल सुधारगृहों में सुरक्षा खामियों पर सवाल

### सभी रिक्त पद एक माह में भरने होंगे : मंत्री तटकरे

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** विधान परिषद में आज राज्य के महिला और बाल सुधारगृहों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर चर्चा हुई. आमदार चित्रा वाघ ने सभागृह में मुद्दा उपस्थित करते हुए बताया कि सुरक्षा व प्रबंधन की त्रुटियों के कारण हाल ही में कई महिलाएँ और बालिकाएँ सुधारगृहों से पलायन कर गईं. उन्होंने कहा कि उल्हासनगर (जिला ठाणे) स्थित शांतीसदन महिला वसतिगृह से छह महिलाएँ और पनवेल (जिला रायगड) के बालगृह से पाँच बालिकाएँ अक्टूबर 2025 में फरार हुई थीं. राज्यभर के महिला व बाल सुधारगृहों में ऐसे पलायन की घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं. कई महिलाओं व बालिकाओं को पुलिस ने खोज निकाला है, मगर कई अब भी लापता हैं, जो सुरक्षा और प्रशासन की गंभीर कमियों की ओर इशारा करता है. चित्रा वाघ ने सरकार से पूछा कि इन घटनाओं की जांच कहाँ तक पहुँची है और सुरक्षा में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर क्या कार्रवाई की गई है या की जाएगी. प्रश्न का उत्तर देते हुए महिला व बाल विकास मंत्री आदिती तटकरे ने कहा कि सुधारगृहों में सुरक्षा व प्रबंधन सुधारने के लिए आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं. उन्होंने बताया कि राज्य के सभी महिला वसतिगृहों में बाहरी एजेंसी के माध्यम से 100% सुरक्षा रक्षकों की नियुक्ति की जा चुकी है.

### कार्यक्रम संसदीय मंडल (CPA) द्वारा 51वें संसदीय अध्ययन वर्ग का शुभारंभ

# भारत की लोकतंत्र प्रणाली मजबूत हुई : CM फडणवीस

राष्ट्रबाण

**नागपुर.** राष्ट्रकुल संसदीय मंडल (CPA) द्वारा राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में राज्यशास्त्र और लोकप्रशासन विषय के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए आयोजित 51वें संसदीय अध्ययन वर्ग का उद्घाटन आज महाराष्ट्र विधानपरिषद सभागार में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम में विधानपरिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष अ‍ॅड. राहुल नार्वेकर, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, विधानपरिषद उपसभापति डॉ. नीलम गोरहे, विधानसभा उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे, मंत्री चंद्रकांत पाटिल, मंत्री आशीष शेलार सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन मंत्री आशीष शेलार ने किया और आभार उपसभापति डॉ. नीलम गोरहे ने व्यक्त किया. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भारत की लोकतांत्रिक स्थिरता पर बोलते हुए कहा कि भारत ने कई देशों की तुलना में लोकतांत्रिक मूल्यों को अधिक मजबूती से निभाया है. उन्होंने कहा, "भारत जैसा विविधताओं से भरा देश शांति और नियमबद्ध तरीके से लोकतंत्र संचालित करता है — यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है. संसद में होने वाली चर्चा, वाद-प्रतिवाद, समितियों का कार्य और नीति-निर्माण की प्रक्रिया छात्रों को पुस्तकों और वास्तविक परिस्थितियों के बीच का अंतर समझने में मदद करेगी." मुख्यमंत्री ने युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी का आह्वान भी किया. विधानपरिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विधिमंडल जनता की आशाओं और अपेक्षाओं को व्यक्त करने का सर्वोच्च मंच है. यहाँ चर्चा की शिष्टता, वाद-विवाद की मर्यादा और जनसमस्याओं को प्राथमिकता देने की संस्कृति सीखने का अवसर मिलता है. उन्होंने कहा कि विधान-परिषद के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छात्रों को उसकी ऐतिहासिक परंपराओं और विधायी प्रक्रियाओं का गहन अध्ययन करना चाहिए.

### युवाशक्ति ही लोकतंत्र का भविष्य : शिंदे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि भविष्य का नेतृत्व आज के युवाओं के हाथों में है. उन्होंने कहा, "हमारी महान संसदीय लोकतंत्र व्यवस्था का भविष्य यहाँ बैठे प्रत्येक छात्र में बसता है. यह हमारे लिए गर्व की बात है कि राष्ट्रकुल संसदीय मंडल की शाखा स्थापित करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है."उन्होंने कहा कि इस अध्ययन वर्ग से छात्रों को जनप्रतिनिधियों के कामकाज, निर्णय प्रक्रिया और शासन के ढांचे को नज़दीक से समझने का अवसर मिलेगा. साथ ही उन्होंने युवाओं से बदलती शासन प्रणाली के अनुरूप नेतृत्व के लिए खुद को तैयार करने की अपील की.

## OBC छात्रों के लिए 65 छात्रावास शुरू

**नागपुर .** राज्य के ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) विद्यार्थियों के लिए राज्य में 65 स्थानों पर छात्रावास शुरू किए गए हैं. शेष जिलों में राजस्व विभाग की मदद से जगह हासिल करने का प्रयास जारी है. इसके अलावा, कुछ स्थानों पर पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) द्वारा दरें बढ़ाए जाने के कारण किराए पर जगह लेकर छात्रावास शुरू किए जाएँगे, यह जानकारी ओबीसी कल्याण मंत्री अतुल सावे ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान दी. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस प्रश्न में हस्तक्षेप करते हुए मंत्री और विभाग की सराहना की और जगह दिलाने के लिए स्वयं प्रयास करने का आश्वासन दिया. भाजपा की मनीषा चौधरी ने इस संबंध में प्रश्न उठाया था. मंत्री सावे ने कहा, सात जिलों में जगह उपलब्ध है. कुछ जगहों पर राजस्व विभाग के माध्यम से डेयरी की जमीनें प्राप्त की जा रही हैं.